04 - सड़कों पर दौड़ती मौत का जिम्मेदार कौन?

05 - भागीरथ, भोज, छत्रसाल की अटल विरासत के संवाहक मोदी

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 25 दिसंबर, 2024

06 - कथा श्रवण से मिलती है जीवन दर्शन की राह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

07 - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में वर्चुअली होंगे शामिल

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-115 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अटल जी के नदी जोड़ो स्वप्न से मिली जनगण को सौगात

डॉ. मोहन यादव

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

उजियारे में, अंधकार में,
कल-कछार में, बीच धार में,
क्षणिक जीत में दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।।

कदम मिलाकर चलने का उद्घोष करने वाले भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की आज 100वीं जयंती है। भारत निर्माण के दृष्टा श्रद्धेय श्री अटल जी को शत-शत नमन।

श्रद्धेय अटल जी ने संघ के स्वयंसेवक से लेकर राष्ट्रधर्म के संपादक, जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के दायित्वों के बीच कार्यकर्ताओं की पीढ़ियां निर्मित कीं। व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण, राष्ट्र निर्माण की उनकी परिकल्पना के सभी पक्षों ने देश को आधार प्रदान किया। धरती को सुजलाम् सुफलाम् करने और समृद्धि के नये आयाम स्थापित करने के लिये श्रद्धेय अटल जी ने लगभग 20 वर्ष पूर्व नदी जोड़ो अभियान की संकल्पना की थी। उन्होंने देशभर की नदियों को जोड़कर बिखरी पड़ी जलराशि के समुचित प्रबंधन का सपना देखा था। उनका सपना था, देशभर की नदियां आपस में जुड़ें और जल की एक-एक बूंद का उपयोग समाज और राष्ट्र के लिये हो। श्रद्धेय अटल जी 100वीं जयंती पर आज मध्यप्रदेश में केन-बेतवा से विश्व की पहली नदी जोड़ो परियोजना द्वारा जल सुरक्षा का स्थायी समाधान करने की दिशा में महती कदम उठाया जा रहा है। मुझे यह बताते हुये प्रसन्नता है कि आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री और वर्तमान पीढ़ी के भागीरथ श्री नरेन्द्र मोदी जी खजुराहो में देश की पहली, महत्वाकांक्षी केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इसी के साथ श्रद्धेय अटल जी का नदियों को आपस में जोड़ने का संकल्प और समृद्धि का सपना मूर्तरूप लेगा। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, सैकड़ों नदियों की विपुल जलराशि से समृद्ध है। प्रदेश की नदियों के आशीर्वाद से यह बहुउद्देशीय परियोजना बुंदेलखंड की जीवन रेखा साबित होगी। यह परियोजना छतरपुर और पन्ना जिले में केन नदी पर विकसित की जा रही है। इसमें पन्ना टाइगर रिजर्व में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचाई एवं 2.13 किलोमीटर लंबाई के दौधन बांध एवं 2 टनल का निर्माण होगा। बांध में 2 हजार 853 मिलियन घन मीटर जल का भंडारण किया जायेगा। इसमें दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से मध्यप्रदेश के 10 जिले पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, निवाड़ी, सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी और दतिया के लगभग 2 हजार ग्रामों में 8.11 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी और लगभग 7 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा मिलेगी और 103 मेगावॉट जल विद्युत एवं 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। इसका लाभ संपूर्ण मध्यप्रदेश को मिलेगा। केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से बुंदेलखंड के हर खेत तक सिंचाई के लिये पानी पहुंचेगा। प्रदेश में बिजली, कृषि, उद्योग और पेयजल के लिये भरपूर पानी उपलब्ध होगा। खेत को पानी मिलने से फसलों का अमृत बरसेगा। किसानों के जीवन में खुशहाली आयेगी और बुंदेलखंड की तस्वीर तथा तकदीर बदलेगी। इस परियोजना से खेती-किसानी, उद्योग, व्यवसाय और पर्यटन को गति मिलेगी जिससे पलायन रुकेगा और नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। जलराशि की विपुलता के साथ बाढ़ तथा सूखा, दोनों समस्याओं का समाधान होगा। हमारा संकल्प है विरासत के साथ विकास। इसी लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए परियोजना में ऐतिहासिक चंदेलकालीन 42 तालाबों को सहेजने का कार्य किया जायेगा। यह तालाब वर्षाकाल में जल से भर जायेंगे। इससे धरती का जल स्तर बढ़ेगा जिसका लाभ लोगों को मिलेगा। मध्यप्रदेश कृषि बाहुल्य प्रदेश है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 50 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का हमारा लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से हम इस लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल होंगे और बुंदेलखंड की प्रगति के नये द्वार खुलेंगे। इसी विश्वास के साथ मैंने बुंदेलखंड के किसानों से यह आग्रह किया था कि यहां के सूखे का तोड़ निकल जायेगा, किसी भी हाल में अपनी जमीन मत बेचना। मुझे खुशी है कि मेरा वह विश्वास सही साबित हुआ।

यह हमारे लिये प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश, इस समय जनकल्याण पर्व मना रहा है। अटल जी के 100वीं जयंती पर त्रिपक्षीय अनुबंध से केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की सौगात प्रदेशवासियों को मिलना अद्भुत संयोग है। मुझे बताते हुए हर्ष है कि कुछ दिनों पूर्व हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना की सौगात दी थी। इस परियोजना में 21 बांध, बैराज निर्मित किये जाएंगे। परियोजना से प्रदेश के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। एक साथ प्रदेश में दो नदी जोड़ो परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाना ऐतिहासिक अवसर है। यह हमारे लिये गर्व की बात है कि इतिहास में बुंदेलखंड शौर्य, पराक्रम, वीरता और बलिदान का प्रतीक है। वीरों की भूमि बुंदेलखंड अब नदी परियोजना से विकास की भूमि के रूप में जानी जायेगी।

मुझे बताते हुये आनंद है कि आज ही के दिन प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और ग्रीन ऊर्जा के प्रति किये गये प्रयास धरातल पर उतरने वाले हैं। पुण्य सलिला मां नर्मदा पर विकसित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण करेंगे। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है। लोकतंत्र की प्रथम इकाई, ग्राम पंचायत से आरंभ होती है। अटल जी ने गांव को सुशासित और सशक्त बनाने का अभियान चलाया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने, श्रद्धेय अटलजी के स्वप्न को साकार करने के लिये गांव को आत्मनिर्भर, स्वच्छ, समृद्ध और सुशासित बनाने का संकल्प लिया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत का अपना भवन हो, इसके लिये प्रधानमंत्री आज मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन करेंगे। श्रद्धेय अटल जी की 100वीं जन्म जयंती पर आज शुरू होने वाली ऐतिहासिक परियोजनाओं और कार्यों से प्रगति के नये द्वार खुलेंगे। बुंदेलखंड जलशक्ति से संपन्न हो जायेगा और किसान समृद्ध होंगे। इससे समूचे क्षेत्र में खुशहाली आयेगी और युवाओं को नौकरी के लिये पलायन नहीं करना पड़ेगा। सौभाग्य से यह सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और डबल इंजन की सरकार से। हमारी सरकार ने पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगों को छोटे शहरों तक पहुंचाने का नवाचार किया है। यह कार्य और आगे बढ़ेगा।

मध्यप्रदेश प्रगति और उन्नति का नया इतिहास रच कर अग्रणी राज्य के रूप में आकार लेगा। राष्ट्र दृष्टा श्रद्धेय अटल जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश को जहां अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वहीं भविष्य के लिये नदी जोड़ो परियोजनाओं की संकल्पना से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। उसी पर चलकर मध्यप्रदेश समृद्धि, विकास, निर्माण और खुशहाली का नया अध्याय रचेगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्रद्धेय अटल जी के संकल्प को पूरा करने खजुराहो आ रहे हैं। मेरा प्रदेशवासियों से आग्रह है कि आप भी हरी-भरी वसुंधरा के लिये होने वाले इस अनुष्ठान में शामिल होकर ऐतिहासिक पल के साक्षी बनें। श्रद्धेय अटल जी के जन्म के 100वें वर्ष में देश में पहली बार मध्यप्रदेश में दो नदी जोड़ो परियोजनाओं को साकार करने की पहल पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी को संपूर्ण राष्ट्र की आदरांजलि है।

कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के प्रति दुर्भावना से काम किया : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर कांग्रेस द्वारा बाबा साहब अंबेडकर को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम और विरोध प्रदर्शन के विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने हमेशा डॉ अंबेडकर के प्रति दुर्भावना के साथ काम किया। नेहरु सरकार में डॉ अंबेडकर हमेशा शोषित, वंचित, पीड़ित वर्ग की बात उठाते रहे। डॉ अंबेडकर ने स्वयं इस बात को कोड किया कि वे उद्योग और वित्त विभाग में काम चाहते थे लेकिन उन्हें ये विभाग नहीं दिये और जब कानून विभाग मिला भी तो उन्हें स्वतंत्रता के साथ काम नहीं करने दिया। इतना ही नहीं जब 1952 के चुनाव में कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उन्हें हराने का प्रयास किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर को कांग्रेस नेताओं ने कई कष्ट दिये। इससे प्रताड़ित होकर जब डॉ अंबेडकर ने इस्तीफा

दिया तो कांग्रेस को फर्क नहीं पड़ा। डॉ मोहन यादव ने कहा कि आज कांग्रेस केवल वोट बैंक के लिए बाबा साहब के नाम का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस नेताओं को अतीत में किये अपने कर्मों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरु, गांधी परिवार के सदस्यों को जीवित रहते भारत रत्न मिल गया लेकिन डॉ अंबेडकर को गैर कांग्रेसी सरकार ने भारत रत्न दिया। इसी प्रकार सरदार वल्लभ भाई पटेल और अबुल कलाम आजाद को भी कई वर्षों बाद भारत रत्न मिल पाया। डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सुंदरलाल पटवा सरकार ने डॉ. अंबेडकर के जन्मस्थान को स्मारक बनाया इसके बाद हमारी पार्टी की सरकार ने ही डॉ. अंबेडकर से संबंधित स्थानों को पंचतीर्थ का दर्जा दिया। डॉ अंबेडकर के शिक्षा को लेकर किये कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए हमारी सरकार ने उनके जन्मस्थान महू में उन्हीं के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना की।

डॉ. यादव ने कहा कि नेहरु गांधी परिवार के सदस्यों के नाम पर कई योजनाएं स्मारक बने लेकिन कांग्रेस ने कभी डॉ अंबेडकर से जुड़े स्मारक नहीं बनाए। कांग्रेस देश की जनता को बाबा साहब के नाम पर गुमराह कर रही है। बाबा साहब के नाम पर प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस नेताओं ने संसद में भाजपा सांसदों के साथ दुर्व्यवहार किया लेकिन घायल सांसदों से मिलने कोई कांग्रेस नेता नहीं पहुंचा। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस को अपने कृत्यों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

सुप्रभात

रेशमी बालों के
साये में छुपे
हल्की सी रक्तिमा लिए
तुम्हारे नयन
जैसे खेत में लगी
मूंगफली का
लालिमायुक्त दाना
आंचल हटाकर
मुस्कुराते ही दिखती है
पंक्तिबद्ध दन्तावली
जैसे हों मकई के दाने
तुम की जैसे
हरी चुनर में लिपटी
मटर की फली
सुगंधित देह तुम्हारी
जैसे हो धनिया की
कोमल पत्तियां
वासंती हवा में सरसों सी
झूमती इठलाती
हरा दुशाला फहराती
ओ,गेहूं की बाली
तुम क्या आई कि
जैसे आई हो
खेत में कपास की
धवल उजास
सच कहूं तो
तुम ही हो मेरे घर का
उल्लास।

– अरुण सातले

चुनाव नियमों में बदलाव को लेकर 'आर-पार' की जंग

सुप्रीम कोर्ट की शरण में पहुंची कांग्रेस, याचिका लगाकर दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेब कास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो

● केंद्र ने पोलिंग बूथ के फुटेज सार्वजनिक करने से किया था इनकार

रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद 21 दिसंबर को भी उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पारदर्शिता से

इतना डरता क्यों है। आयोग के इस कदम को जल्द ही कानूनी चुनौती दी जाएगी। इस मामले में अधिकारियों ने बताया था कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडीडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा खत्म करने का और पारदर्शिता कमजोर करने का आरोप लगाया था।

पीएम मोदी आज खजुराहो में

देश को पहली केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की देंगे सौगात

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर मध्यप्रदेश के खजुराहो में देश की पहली महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की स्मृति में स्टॉम्प और सिक्का भी जारी करेंगे। देश को नदी जोड़ो की परिकल्पना देने वाले युगदृष्टा स्व. वाजपेयी की जयंती पर यह मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी बुधवार को दोपहर 12:10 बजे खजुराहो आयेंगे और दोपहर 2:20 बजे दिल्ली के लिये रवाना होंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण करेंगे। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है।

अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन

प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन कर प्रथम किश्त का वितरण भी करेंगे। प्रदेश की 23 हजार ग्राम पंचायतों में से भवन विहीन, जीर्ण-शीर्ण भवन और अनुपयोगी 2500 ग्राम पंचायतों को नवीन भवन की स्वीकृति के लिये चिन्हित किया गया है।

हर तरफ बर्फ की सफेदी, दिख रहा खूबसूरत नजारा

उत्तराखंड से कश्मीर घाटी तक लुभा रही सफेदी की चमकार

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड की पहाड़ियों तक बर्फबारी है। साल के आखिरी महीने में भारी बर्फबारी चिंता का विषय तो है ही लेकिन पर्यटकों के लिए आनंद लेने की वजह भी बन गया है। जम्मू कश्मीर में भी हर तरफ बर्फकी सफेदी छाई हुई है। अटल टनल के रास्ते से लेकर मनाली तक पहुंचना भी आसान नजर नहीं आ रहा है। जानकारी के मुताबिक अटल टनल के रास्ते में एक हजार से ज्यादा गाड़ियां फंस गई थीं। जिसके बाद प्रशासन ने मोर्चा संभाला और लोगों को सहयोग दिया। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाके सबसे ज्यादा शीत लहर की चपेट में हैं। हिमाचल प्रदेश में, ऊंचाई वाले आदिवासी इलाकों और पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मीडिया

● लोग भी जमकर उठा रहे लुत्फ भा रहा है कूल-कूल मौसम

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले 24 घंटे में हिमाचल प्रदेश के 124 स्टेट और तीन नेशनल हाइवे बंद हो गए हैं। इनमें नेशनल हाइवे (एनएच 3) नेशनल हाइवे (एनएच 305) और नेशनल हाइवे (एनएच 505) हैं। हिमाचल प्रदेश के निचले पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। स्थानीय मौसम विभाग ने बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और मंडी जिलों में सोमवार से चार दिनों के लिए कड़ाके की ठंड का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के अटल टनल में 1000 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं, इस वजह से लंबा ट्रैफिक जाम लगा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में भी अत्यधिक ठंड के कारण पानी की आपूर्ति लाइनें जम गई हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 25 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

केरल में फूड पॉइजनिंग से 75 कैडेट पड़े बीमार

- विरोध प्रदर्शन के बाद बंद किया गया एनसीसी कैंप

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर के शिविर को बंद कर दिया गया है। फूड पॉइजनिंग की चपेट में आए 75 कैडेट को अस्पताल में भर्ती

कराया गया है। बड़ी संख्या में कैडेट के बीमार पड़ने पर अभिभावकों का रोष भी सामने आया है। उन्होंने कॉलेज प्रशासन के सामने पर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने इस लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। एर्नाकुलम जिले के केएमएम कॉलेज में 21 केरल बटालियन कैंप आयोजित किया गया था।

मानवाधिकार आयोग में नियुक्तियां पहले से तय थीं

- कांग्रेस बोली-सरकार ने न तो बातचीत की, न ही रायशुमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन को सोमवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष नियुक्त किया। अब कांग्रेस ने उनकी नियुक्ति पर सवाल

उठाए हैं। कांग्रेस की ओर से जारी किए गए नोट में कहा गया है कि एनएचआरसी के चेयरपर्सन की सिलेक्शन कमेटी में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी थे, लेकिन उनकी राय को गंभीरता से नहीं लिया गया। कांग्रेस ने कहा कि चयन समिति की बैठक बुधवार को हुई थी, लेकिन यह पहले से निर्धारित एक्सरसाइज थी।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में के पास सेना का वाहन खाई में गिरा, 5 जवानों की मौत

राजौरी। जम्मू-कश्मीर से एक बड़े हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास सेना का एक वाहन खाई में जा गिरा। इस हादसे में पांच जवानों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा है। मौके पर कई पुलिस और सेना के जवान पहुंचे हैं।हादसे को लेकर सेना के अधिकारियों ने बताया कि

मंगलवार शाम जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से पांच सैनिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना घरोआ इलाके में उस समय हुई जब सेना का एक वाहन जिले के बनोई की ओर जा रहा था।

स्पैडेक्स मिशन की तैयारी फिर रचेगा इतिहास

साल 2024 को शानदार विदाई देने जा रहा इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 की अपार सफलता और गगनयान मिशन से चर्चाओं में आए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 2024 साल को शानदार विदाई देने की पूरी तैयारी कर ली है। आगामी 30 दिसंबर को इसरो श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से स्पैडेक्स मिशन को लॉन्च करेगा। मिशन में पहली बार अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग और अन डॉकिंग करना शामिल है। इस मिशन में पीएसएलवी सी60/स्पैडेक्स मिशन को साथ में लॉन्च किया जाएगा।

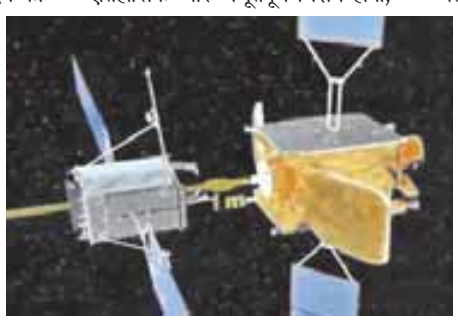

मिशन की कामयाबी भारत को दुनिया के चार दिग्गज देशों के साथ खड़ा कर देगी। इसरो के अधिकारियों ने सोमवार को पुष्टि की कि पीएसएलवी-सी60/स्पैडेक्स मिशन अगले सोमवार को 21.58 बजे एसडीएससी शार, श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। प्रक्षेपण प्रथम लॉन्च पैड से होगा और इस पथप्रदर्शक मिशन की सफलता भारत को जटिल अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बना देगी। यह एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व मिशन होगा, क्योंकि इसरो पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल-4 (पीओईएम-4) के साथ अंतरिक्ष में रिकॉर्ड 24 वैज्ञानिक प्रयोगों को तैनात करके इतिहास रचेगा, साथ ही इसमें अंतरिक्ष डॉकिंग डेमोस्ट्रेशन स्पैडेक्स मिशन भी होगा। इसरो ने पीएसएलवी-सी60/स्पैडेक्स मिशन अपडेट में कहा कि पीएस4-ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल (पीओईएम) अंतरिक्ष तकनीक में क्रांति लाएगा। इसरो ने कहा 24 अत्याधुनिक आर एंड डी पेलोड (14 इसरो से, 10 स्टार्टअप से) के साथ यह जैविक प्रयोगों, रोबोटिक्स, शार इमेजिंग, एआई प्रयोगशालाओं और बहुत कुछ में सीमाओं को आगे बढ़ाता है। स्पैडेक्स मिशन की सफलता भारत को अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाले देशों के चुनिंदा समूह में शामिल कर देगी। यह चंद्रयान-4 और गगनयान जैसे इसरो के आगामी मिशनों के लिए एक बड़ी प्रेरणा देगी। स्पैडेक्स अंतरिक्ष यान को यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) द्वारा अन्य इसरो केंद्रों (वीएसएससी, एलपीएससी, एसएसी, आईआईएसयू और एलआईओएस) के समर्थन से डिजाइन और निर्मित किया गया है।

40 का लहसुन 400 में बिक रहा, जनता महंगाई से परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली की सब्जी मंडी पहुंचे। इसका वीडियो उन्होंने मंगलवार सुबह शेयर किया। सब्जी मंडी में राहुल कुछ महिलाओं से बात करते नजर आए। उन्होंने केंद्र की नीतियों की आलोचना की।

राहुल ने कहा- लहसुन की कीमत 40 रुपए से 400 रुपए पहुंच गया है। जनता महंगाई से परेशान है। केंद्र सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है। राहुल ने आगे कहा- आम जनता को अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे-छोटे सामानों पर समझौता करना पड़ रहा है। इस पर राहुल के साथ खड़ी एक महिला ने कहा- सोना सस्ता हो गया।

अज्ञात शवों की पहचान के लिए अपनाएं बायोमेट्रिक्स तकनीक

- गृहमंत्री अमित शाह ने प्रशासनिक अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अज्ञात शवों और लापता लेकिन ढूंढ लिए गए व्यक्तियों की पहचान के लिए मंगलवार को बायोमेट्रिक्स तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने आपराधिक जांच के सभी मामलों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी मामलों के लिए पूर्व निर्धारित चरणों में अलर्ट जारी किए जाने चाहिए। पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के फायदे के लिए रजिस्ट्रेशन से लेकर मामले के निपटारे तक की समयसीमा तय की जानी चाहिए। शाह ने कहा कि अज्ञात शवों और अज्ञात व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक्स तकनीक अपनाई जानी चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि पूर्व निर्धारित समय सीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से अलर्ट भेजने से जांच की प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

- शाह बोले-मामले के निपटान तक की समयसीमा तय की जानी चाहिए

सुखबीर बादल हमला

सांसद हरसिमरत को पंजाब पुलिस पर नहीं रहा भरोसा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के बठिंडा से सांसद व बादल परिवार की बहू हरसिमरत कौर ने पति सुखबीर बादल पर हुए हमले को लेकर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने इस मामले की उच्च-स्तरीय कमेटी से जांच करवाने की मांग रखी है। इतना ही नहीं, सुखबीर सिंह बादल ने भी उनकी जान बचाने वाले एएसआई जसबीर सिंह और एएसआई हीरा सिंह के लिए राष्ट्रपति पुलिस मेडल की मांग की है। शिरोमणि अकाली दल की तरफ से सांझा की गई जानकारी के अनुसार पार्टी ने सुखबीर सिंह बादल की सिफारिश का समर्थन किया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में फोरेंसिक रिपोर्ट से ट्विस्ट

जिस गद्दे पर ट्रेनी डॉक्टर का शव था, उस पर संघर्ष के सबूत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री की एक रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें कई सनसनीखेज खुलासे हैं। 12 पेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेमिनार रूम में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे पता चले कि वहां पीड़ित से रेप के बाद हत्या की गई है। रिपोर्ट के 12वें पेज की आखिरी लाइनों में लिखा है- जिस जगह ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था, वहां संघर्ष का कोई सबूत नहीं मिला। जिस गद्दे पर शव था, उस पर भी किसी तरह की हाथापाई के निशान नहीं मिले हैं। इससे अब ये सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर कहीं और हुआ था। गद्दे पर सिर और पेट के नीचे ही खून के निशान मिले थे, इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि शव कहीं और

से लाया गया था। 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर हुआ था। मामले की जांच सीबीआई कर रही है। मुख्य आरोपी संजय रॉय पुलिस की हिरासत में हैं। एजेंसी 7 अक्टूबर को ही स्पेशल सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। सीबीआई ने कहा था- ट्रेनी डॉक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ। सीबीआई ने 7 अक्टूबर को हाईकोर्ट में चार्जशीट दायर की, जिसमें संजय को रेप-मर्डर का एकमात्र आरोपी बताया था। संजय कोलकाता पुलिस के साथ सिविक वॉलंटियर के रूप में काम कर रहा था। एजेंसी ने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ था। चार्जशीट में 100 गवाहों के बयान, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन शामिल रहीं। वारदात के दिन आरोपी का इयरफोन और मोबाइल ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के मुद्दे पर अमेरिका सख्त

- बाइडन के एनएसए ने यूनुस को किया फोन, जमकर सुनाया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इस मुद्दे पर सोमवार को बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस से बात की है। सुलिवन ने बांग्लादेश में मानवाधिकारों के मुद्दे पर यूनुस के सामने अपनी चिंता जाहिर की। व्हाइट हाउस ने बताया है कि मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में सभी धर्मों के लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा का वादा किया है।

पीएम मोदी के 'प्योंगयांग दांव' से हैरत में पड़ी दुनिया

सरकार के उत्तर कोरिया प्लान से पाकिस्तानी एक्सपर्ट भी हो रहे हैरान

प्योंगयांग (एजेंसी)। दुनिया का ध्यान जब मध्य पूर्व और यूरोप में युद्धों को लेकर पश्चिम की तरफ केंद्रित है, उस समय भारत ने पूर्व की ओर अपना फोकस किया है। नई दिल्ली ने अपनी एक्ट ईस्ट नीति के तहत कोरियाई प्रायद्वीप में सावधानी के साथ

- अब किम जोंग उन के देश में पाकिस्तान और भारत में छिड़ी रेस!

काम शुरू किया है। इसी के तहत साढ़े तीन से साल के बाद भारत ने उत्तर कोरिया में अपनी राजनयिक उपस्थिति को बहाल करने जा रहा है। कोविड महामारी के दौरान जुलाई 2021 में भारतीय दूतावास ने अपने दरवाजे बंद कर दिए थे। अब भारत ने अपनी एक राजनयिक टीम को प्योंगयांग भेजा है, जो मिशन को फिर से चालू करने पर काम कर रही है। दिलचस्प बात ये है कि भारत के साथ ही उसका प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान भी उत्तर कोरिया में अपना असर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उत्तर कोरिया के साथ पाकिस्तान के रक्षा संबंध हैं। पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम को मजबूत करने में उत्तर कोरिया ने इस्लामाबाद की मदद की है। पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी एक्सपर्ट साजिद तरार ने उत्तर कोरिया को लेकर भारत के कदम को बहुत ही स्मार्ट मूव बताया है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समय में उत्तर कोरिया में दूतावास को फिर से चालू करने जा रहा है, जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हो रही है। यहां ये ध्यान रखना जरूरी है कि ट्रंप ने पिछले कार्यकाल के दौरान उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से मुलाकात की थी। ट्रंप ने रूस के साथ भी रिश्ते ठीक करने के संकेत दिए हैं, जो उत्तर कोरिया का बहुत अहम सहयोगी होने के साथ ही भारत का भी दोस्त है। उत्तर कोरिया की राजधानी में करीब 24 देशों के दूतावास मौजूद हैं। इन सभी दूतावासों को एक विशेष कैंपस के अंदर स्थापित किया गया है। केवल तीन देश हैं जिनके दूतावास कैंपस के बाहर स्थापित हैं।

पीलीभीत एनकाउंटर का महाकुंभ में लेंगे बदला

खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी सीएम योगी को धमकी

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में एक दिन पहले 3 खालिस्तानी आतंकियों के एनकाउंटर के बाद अब अमेरिका में बैठे खलिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने योगी सरकार को बदला लेने की धमकी दी है। पन्नू ने प्रयागराज में आगामी महाकुंभ मेले में इसका बदला लेने का ऐलान किया है। उसने मृतकों के परिजन को 5 लाख की मदद के साथ ही अलग खालिस्तान बनाने का राग भी अलापा है। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करते हुए जहर उगला है। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और पंजाब के सीएम भगवंत मान पर खुलेआम निशाना साधा है। उसने कहा है कि यह महाकुंभ 2025 इस हिंदुत्व का आखिरी महाकुंभ कर देंगे। पन्नू ने वीडियो जारी कर धमकी दी है। वह कहता है- वाहेगुरु जी दा खालसा, वाहेगुरु जी दी फतेह! पन्नू ने महाकुंभ में तीन तारीखों पर बदला लेने की धमकी दी है। उसने 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के दिन पहला शाही स्नान, 29 जनवरी, 2025 को मौनी अमावस्या (दूसरा शाही स्नान) और 3 फरवरी, 2025 को बसंत पंचमी (तीसरा शाही स्नान) की धमकी दी है। पन्नू ने तीनों मृतकों के परिजन को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया। पन्नू ने 1991 के पीलीभीत फेक एनकाउंटर का जिक्र करते हुए पंजाब की आजादी और खालिस्तान आंदोलन का पुराना राग अलापा है।

स्मृति शेष

विवेक रंजन सिंह

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में जनसंचार विभाग के छात्र हैं।

श्याम बेनेगल ने मन से हांका समानांतर सिनेमा का रथ

मुंबई में फिल्म पत्रकारिता में सक्रिय रहने के दौरान एक बार अवसर मिला था श्याम बेनेगल को दूर से देखने का। किसी फिल्म का प्री शो था, शायद चुप फिल्म का था। श्याम बेनेगल के साथ, गोविंद निहलानी और प्रकाश झा भी थे। मुझे उन तीनों को साथ देखकर अच्छा लग रहा था। श्याम बाबू को सुनने का काफी मन था और मिलने का भी। कुछ महीने पहले उनके ऑफिस में बात भी हुई थी, बिगड़े स्वास्थ्य के चलते समय नहीं मिल पा रहा था और कल ही जब उनके निधन का समाचार मिला तो पैर ठिठक से गए। न मिल पाने का मलाल भी है और दुख भी, मगर सुकून इस बात का है उन्हें दूर से ही सही देख और महसूस कर पाया।

श्याम बाबू नब्बे साल के हो चले थे। पिछले साल मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित उनकी फिल्म मुजीब जब आई तब बड़ा आश्चर्य हुआ कि वो इस उम्र में भी अपने सिनेमा के जरिए सामाजिक सरोकारों को जिंदा रखने में लगे हैं।

श्याम बेनेगल को हिंदी सिनेमा आने वाले समय में अपने पितामह के जैसे देखेगा बिल्कुल वैसे जैसे आज दादा साहब फाल्के और सत्यजीत रे को देखता है। उन्होंने आजादी के पहले और बाद के दृश्यों को एक साथ जोड़कर सामाजिक संदर्भों से जुड़े उन पहलुओं को दिखाया जिसको दिखाने में आज के बहुत कम निर्देशक दिलचस्पी लेते हैं। भारत एक खोज नाम का धारावाहिक उन्होंने उस समय बनाया जब आज के जैसे ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म होने की बात ही दूर, संचार की दुनिया में ऐसे उपक्रम सोचे ही नहीं गए थे। भारत एक खोज ने मीडिया के मूल उद्देश्यों सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को सार्थक कर दर्शकों के ज्ञान को समृद्ध किया।

श्याम बेनेगल की फिल्में देखते हुए ही लगा कि सिनेमा में असली काम उन्होंने ही किया है। सबसे पहले मंथन देखी थी। अभी हाल में इस फिल्म को पुर्नस्थापित कर कान फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया गया। हालांकि स्मिता पाटिल और शबाना आजमी के साथ श्याम बाबू अस्सी के दशक में कान फेस्टिवल की यात्रा कर चुके थे।

समाज की समस्याओं, चिंताओं और उनके व्यवहारों को श्याम बेनेगल ने पर्दे पर गंभीरता से उतारा। यथार्थवादी सिनेमा की पकड़ को व्यवसायिक सिनेमा के सामने और मजबूत बनाया। उन्होंने अपने कला और समानांतर फिल्मों के जरिए

दर्शक वर्ग को यह मानने पर विवश कर दिया कि सिनेमा का असली मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि मनोरंजन के साथ समाज सुधार, सामाजिक परिवर्तन भी है। उनके कैनवास पर सामाजिक परिवर्तन के लिए लड़ रहे अभिनेता, अभिनेत्रियों को भी उन्होंने ऊंचे फलक पर स्थापित किया। जिसमें शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह, ओम पूरी, कुलभूषण खरबंदा आदि कलाकारों का नाम अहम है।

सिनेमा की सार्थकता इस बात से तय होती है कि सिनेमा ने अपने समकालीन समाज को किस हिसाब से प्रदर्शित किया। श्याम बाबू ने सिनेमा को तत्कालीन समाज की आवाज उठाने का एक सशक्त माध्यम चुना। हालांकि यह प्रश्न भी समय समय पर फिल्म समीक्षकों द्वारा उठाया जाता रहा है कि श्याम बेनेगल की फिल्मों के नायकों के हाथ में नायकत्व की कमी रही। वे बस उनकी दीन हीन दशा में और शोषित ही दिखे हैं। यह बात एक हद तक सही मानी जा सकती है। अंकुर, निशांत और मंथन में यह झलक थोड़ी बहुत दिखती है मगर श्याम बेनेगल उसके जरिए समाज के बीच एक सवाल भी छोड़ जाते हैं जो हमेशा हमारे जेहन में उठता रहेगा। भूमिका में एक एक मध्यमवर्गीय महिला की कहानी है तो मंथन में स्मिता पाटिल एक निम्न वर्ग की महिला का किरदार कर रही है ऐसा ही अंकुर में शबाना आजमी को भी देखने को मिलता है। श्याम बाबू ने हर वर्ग समाज से जुड़े तबकों की समस्याओं को अपने फिल्मी पर्दे पर दिखाया। समानांतर सिनेमा को जो रथ सत्यजीत रे, मृणाल सेन और ऋत्विक घटक ने चलाया था उसको श्याम बाबू ने अस्सी और नब्बे के दशक में अच्छे से हांका।

दलित, दमित, शोषित और वंचित तबके की आवाज़ और उनके यथार्थ को श्याम बेनेगल ने सिनेमा के जरिए उठाने में कोई संकोच नहीं किया। उनके पिता एक फोटोग्राफर थे और उसी ने उनके परिवार का खर्च चलता था। वो खुद एक मध्यमवर्गीय परिवार से आए और सिनेमा में पदार्पण कर निम्न मध्यम वर्ग की आवाज बन गए। उन्होंने व्यावसायिक सिनेमा को घुटने पर ला दिया था हालांकि भारत में बाजारवाद के आगमन ने फिल्मों की दशा और दिशा ही बदल दी फिर भी श्याम बाबू डटे रहे यहां तक कि अपने जीवन के अंतिम समय तक भी। श्याम बेनेगल का जाना सिनेमा के एक युग का अंत होने जैसा है मगर हमारे पास उनकी फिल्मों का जो अनूठा खजाना है हम उसके बल पर आने वाली शताब्दियों में प्रेरणा पाते रहेंगे। उनकी किसी एक फिल्म को अच्छा कहना बेइमानी है, इसलिए यह कहा जाना चाहिए कि उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाई सब अपने आप में एक बड़ा पाठ रहीं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश शासन के मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना के साथ खजुराहो में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन की तैयारियों को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान विधायक श्री अरविंद पटेरिया सहित पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुमन देवी को पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को बैतूल जिले के ब्लॉक भीमपुर के ग्राम कुंडबकाजन में विधायक भैंसदेही श्री महेंद्र सिंह चौहान के निवास पहुंचकर उनकी माता स्व. श्रीमती सुमन देवी चौहान को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, जिला अध्यक्ष श्री बबला शुक्ला सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई सुशासन दिवस की शपथ

भोपाल (नप्र)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के एक दिन पूर्व मंगलवार को मंत्रालय में सुशासन दिवस मनाया गया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में प्रातः 11 बजे अधिकारी और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। शपथ के पहले उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण किया। सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए, शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जन-कल्याण केन्द्रित और जवाबदेह बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने एवं प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को पाने के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलायी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, सचिव श्री एम. सेल्वेंद्रन सहित मंत्रालय,सतपुड़ा एवं विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने

स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण कार्यों और नियुक्तियों की प्रगति की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि आईपीएचएस मानकों के अनुरूप कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि नवीन स्वीकृत पदों के साथ रिक्त पदों की पूर्ति के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी और सुलभ बनाया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण कार्यों और चिकित्सकीय व सहायक चिकित्सकीय पदों पर नियुक्तियों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन जिला चिकित्सालयों में पदों की पूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माणाधीन कार्यों की सतत निगरानी और समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, एमडी एमपीबीडीसी डॉ. पंकज जैन, सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी, पीआईयू और एमपीबीडीसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आईटी के हाथ लगे पूर्व सीएस से जुड़े दस्तावेज

जहां अभिनेता अमिताभ को परमिशन नहीं, वहां अफसरों का पार्क बन रहा; नेताओं ने खरीदी जमीनें

भोपाल (नप्र)। भोपाल के तीन बिल्डर्स के ठिकानों पर आयकर विभाग ने पिछले बुधवार को छापेमारी की। अब तक की जांच में सामने आया कि राजधानी के रातीबड़, नीलबड़, मेंडोरी, मेंडोरा और आस-पास के गांव ब्लैकमनी खपाने के केंद्र बन गए हैं। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को जिस सेवनिया गौंड स्थित गांव में निर्माण की अनुमति सरकार ने नहीं दी थी, वहां अफसरों के लिए पार्क बन रहा है। आयकर विभाग के अफसरों के हाथ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और उनकी पत्नी के नाम जमीन खरीदी के दस्तावेज भी लगे हैं। यह खरीद-फरोख्त बिल्डर राजेश शर्मा और उसके सहयोगियों के जरिए हुई है। कुछ अन्य अधिकारी, नेता, व्यापारी और फिल्मी दुनिया से जुड़े सितारों के खिलाफ भी दस्तावेज मिले हैं। अफसरों के मुताबिक, इन सभी ने नियमों को ताक पर रखकर बेनामी संपत्तियां खरीदी हैं। बड़े पैमाने पर स्टाम्प ड्यूटी चोरी की भी जानकारी मिली है।

भोपाल समेत 52 ठिकानों पर की गई थी सर्चिंग: आईटी डिपार्टमेंट ने 18 दिसंबर को भोपाल में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी ग्रुप और ईशान ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इंदौर और ग्वालियर में भी सर्चिंग की गई। कुल 52 ठिकानों पर पड़ताल में आयकर विभाग को 10 करोड़ रुपए कैश, 25 लॉकर और गोल्ड समेत बड़ी संख्या में जमीन की खरीद-फरोख्त किए जाने के दस्तावेज मिले थे। अब विभाग उन लोगों को नोटिस जारी करने की तैयारी में है, जिनके नाम तीनों ग्रुप से जमीन की खरीद-फरोख्त में सामने आए हैं।

जमीनों के सौदे में करोड़ों रुपए कैश दिए गए: जांच में यह बात सामने आई है कि भोपाल के रातीबड़, नीलबड़, मेंडोरी, मेंडोरा, बीलखेड़ा, चंदनपुरा, बिशनखेड़ी समेत कई गांवों में जमीन सौदे में करोड़ों रुपए कैश दिए गए हैं। रातीबड़ में अधिकारियों के रिश्वत के रूप में भी जमीन और रुपए लेने की बात सामने आई है। चंदनपुरा क्षेत्र में राजेश शर्मा के जरिए 50 करोड़ रुपए से अधिक की ब्लैक मनी का निवेश किया गया। बीलखेड़ा में भी पूर्व और वर्तमान ब्यूरोक्रेट्स ने बड़े पैमाने पर जमीनों की खरीद-फरोख्त की है।

मोबाइल रिकॉर्डिंग में कैश लेन-देन की बातचीत: आयकर विभाग को बिल्डर्स के यहां मोबाइल में रिकॉर्डिंग मिली है, जिनमें कैश लेन-देन की बातचीत है। ऐसे में अब पुराना डेटा भी बैकअप कराया जा रहा है। शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग का मामला भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोगों के लिए सड़क बनाने का काम हुआ है। ब्रोकर्स के माध्यम से औने-पौने दाम में जमीनें खरीदी-बेची गई हैं। दस्तावेज की जांच में यह खुलासा भी हुआ है कि इन इलाकों में जमीन की खरीदी-बिक्री का काम कलेक्टर गाइडलाइन को दरकिनार कर कम कीमत में किया गया है। जिसके बाद रजिस्ट्रार, पंजीयन और मुद्रांक की भूमिका भी संदेह के दायरे में है।

राजेश शर्मा से पूर्व सीएस के कनेक्शन की पुष्टि: त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के राजेश शर्मा के जरिए पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और उनकी पत्नी हरकीरत सिंह बैंस के नाम पर जमीन खरीदी के दस्तावेज आयकर विभाग को मिले हैं। बीलखेड़ा और आस-पास के इलाकों में इनके नाम पर अलग-अलग भूमि की जानकारी मिलने के बाद जांच की जा रही है। यह भी सामने आया है कि कुणाल बिल्डर्स के जरिए राजेश शर्मा ने अपने, पत्नी और परिवार के सदस्यों के नाम पर 8 प्लॉट लिए हैं। शर्मा को बेनामी संपत्ति के नाम पर नोटिस जारी किया जाएगा।

जहांगीराबाद में दो पक्षों में पथराव, तलवारें लहराईं

महिला को बीच सड़क डंडे से पीटा; छह लोग घायल, भारी पुलिस बल तैनात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जहांगीराबाद में मंगलवार को दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। यहां की पुरानी गल्ला मंडी में दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। लोगों ने तलवारें लहराईं। दोनों पक्ष डंडे लेकर निकले। कुछ युवकों ने एक महिला को बीच सड़क पर डंडों से पीटा। घटना में 6 से ज्यादा लोग घायल हैं, इनमें महिलाएं भी हैं। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला। भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

थाना प्रभारी आशीष उपाध्याय ने बताया कि दो दिन पहले युवकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया, उसके बाद यह विवाद हुआ। आज सुबह एक पक्ष के लोग जमा हुए और घरों पर पथराव करना शुरू कर दिया। जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। पथराव की खबर लगते ही पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

डीसीपी ने कहा- पहले से तैनात थी पुलिस: डीसीपी जोन 1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 2 दिन पहले तेज बाइक चलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। मामले में जहांगीराबाद थाने में 5 आरोपियों पर केस दर्ज किया गया था। जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। दो आरोपी फरार चल रहे थे। आज फरार हुए दो आरोपियों को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। मौके पर पहले से पुलिस बल मौजूद था। लोगों की बढ़ती भीड़ को देकर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी गई। वीडियो में कई लोग हथियार लेकर जाते दिख रहे हैं उनके ऊपर भी कार्रवाई की जाएगी। घटना में कोई गंभीर घायल नहीं है। स्थिति पूरी तरह नियत्रंण में है।

धार में चलती कार में जिंदा जल गया युवक

लोगों ने विंडो ग्लास तोड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन निकाल नहीं पाए

मनावर (धार) (नप्र)। धार जिले के मनावर के पास सिंघाना से बड़वानी की ओर जा रही कार में अचानक आग लग गई। हादसे में ड्राइवर कार के अंदर ही जिंदा जल गया। पास ही खेत में काम कर रहे लोगों ने कार के ग्लास तोड़कर युवक को बचाने की कोशिश की, लेकिन वे निकाल नहीं पाए। घटना मंगलवार दोपहर की है। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी अनिल पंवार ने बताया कि, मैं खेत में काम कर रहा था, इस दौरान देखा कि एक कार में आग लगी है। पास जाकर देखा तो अंदर एक युवक फंसा हुआ था। कार की स्टीयरिंग में आग लग रही थी। मैंने विंडो के शीशे तोड़कर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन आग बढ़ती गई और कार के साथ युवक भी जिंदा जल गया। अनिल के मुताबिक उसने हादसे की सूचना सिंघाना चौकी पर दी। इसके कुछ देर बाद ग्रामीणों की मदद और पानी के टैंकर से आग बुझाई गई। हालांकि तब तक युवक का सिर्फ कंकाल बचा था। सिंघाना चौंकी प्रभारी प्रकाश सरोदिया ने बताया कि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पत्थर से टकरा गई। इससे पेट्रोल की पाइप में आग लग गई। बाद में आग कार के अंदर फैलती गई।

भोपाल में महिला डॉक्टर के बाल खींचे

जीएमसी में हुई घटना पर जूडा ने जताई नाराजगी, बाइपोलर डिसऑर्डर की मरीज है महिला

भोपाल (नप्र)। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में इमरजेंसी डिपार्टमेंट में नाइट ड्यूटी कर रहीं एक महिला डॉक्टर के साथ एक मरीज और उसके परिजनों ने अभद्रता की। मरीज ने महिला डॉक्टर के बाल खींचे और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटना के बाद जूडा (जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन) ने अस्पताल प्रशासन से डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। जूडा के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने कहा- अब अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि मरीज के साथ केवल एक परिजन को ही अंदर आने की अनुमति दी जाए और महिला डॉक्टर के पास मरीज भेजने से पहले एक स्टाफ सदस्य को साथ भेजा जाए। इस मामले में अस्पताल के डीन को पत्र भी

लिखा है, और कहा है कि अस्पताल के नियमों का सही तरीके से पालन किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। डीन डॉ. कविता सिंह को ज्ञापन देते हुए जूडा उपाध्यक्ष डॉ. निखिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. पल्लवी साहू कोषाध्यक्ष डॉ. राम गोपाल वह सह सचिव रश्मि मीना।

महिला डॉक्टर के साथ हुई अभद्रता: जानकारी के अनुसार, महिला डॉक्टर जब टेबल पर सिर रखकर आराम कर रही थी, तभी एक बाइपोलर डिसऑर्डर से ग्रस्त महिला मरीज आई और उसने डॉक्टर के बाल खींचने शुरू कर दिए। महिला डॉक्टर ने खुद को बचाते हुए दूर जाकर खड़ी हो गई, लेकिन मरीज के परिजन आकर डॉक्टर पर ही भड़क गए। इस घटना के बाद जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने इस घटना पर नाराजगी जताई है।

पहले भी हो चुकी है तोड़फोड़: इससे पहले भी जीएमसी परिसर में मेडिकल स्टूडेंट्स की गाड़ी में तोड़फोड़ की घटना हो चुकी है। अज्ञात लोगों ने मेडिकल स्टूडेंट की गाड़ी की विंड शील्ड और विंडो के शीशे तोड़ दिए थे। अगले दिन सुबह गाड़ी में पत्थर मिले थे। जूडा का कहना है कि जीएमसी के आसपास अंधेरा है, खासकर कमला नेहरू के पास जहां से डॉक्टर आते-जाते हैं, जिससे सुरक्षा खतरे में पड़ती है।

नदी जोड़ो परियोजना से पहले 5 हजार करोड़ का कर्ज

नए साल के पहले मोहन सरकार आज ले रही 2500-2500 करोड़ के दो लोन

भोपाल (नप्र)। क्रिसमस पर्व और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के ठीक एक दिन पहले मोहन यादव सरकार आज बाजार से पांच हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है। यह संयोग है कि आज बाजार से कर्ज लिया जा रहा है और कल केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास छतरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं। यह कर्ज लेने के बाद चालू वित्त वर्ष में राज्य सरकार 30 हजार करोड़ का कर्ज ले चुकेगी। आज लिए जाने वाले कर्ज की ब्याज के साथ भुगतान की कार्यवाही वर्ष 2045 और 2041 तक की जाएगी। आज लिए गए कर्ज के बाद राज्य सरकार पर कुल कर्ज 4 लाख पांच हजार 578 करोड़ रुपए हो जाएगा।

नवरात्र से पहले और इसके बाद लिया था 15 हजार करोड़ का लोन: वित्त विभाग के अफसरों के अनुसार जो लोन लिया जा रहा है वह एमपी के जीडीपी के मान

से तय लोन लिमिट के भीतर ही है। इस ऋण राशि से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना और अन्य विकास कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। मोहन सरकार ने अक्टूबर में नवरात्र शुरू होने के दस दिन पहले सितम्बर में 5 हजार करोड़ रुपए कर्ज लिया था। इसके बाद नवरात्र पर्व के दौरान भी पांच हजार करोड़ रुपए का लोन लिया गया था। इसके अलावा नवम्बर में भी पांच हजार करोड़ रुपए का लोन लिया गया था।

अगस्त में लिए थे दस हजार करोड़

मोहन सरकार ने चालू वित्त वर्ष के अगस्त महीने में पहले 2500-2500 करोड़ रुपए के चार कर्ज लिए थे। पहले राउंड में छह अगस्त को ढाई-ढाई हजार करोड़ रुपए के दो कर्ज लिए गए थे। इसके बाद ढाई-ढाई हजार करोड़ के दो कर्ज सरकार ने जन्माष्टमी के एक दिन बाद 27 अगस्त को लिए हैं। कर्ज की इस राशि से सरकार ने लाड़ली बहना योजना की किस्त और कर्मचारियों को महंगाई राहत के एरियर्स के भुगतान की कार्यवाही की है।

इस वर्ष अब तक ऐसे लिया कर्ज: 27 नवम्बर को 2500-2500 करोड़ रुपए के दो अलग-अलग कर्ज 20 साल और 14 साल की अवधि का लिया गया।

पीएम ग्राम सड़क योजना के 24 साल पूरे हुए

मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा- बाजपेई प्रधानमंत्री नहीं बनते तो हम आज भी जूझ रहे होते

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 24 सालों की सफलता पर मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल मुख्य अतीथि रहे। इस मौके पर प्रहलाद पटेल ने कहा- अगर अटल बिहारी बाजपाई देश के प्रधानमंत्री नहीं बनते तो आज भी हम खराब सड़कों से जूझ रहे होते। उन्होंने कहा जैसे मनुष्य के शरीर में रीढ़ की हड्डी है वैसे ही सड़क की भी कीमत है। साथ ही प्रहलाद पटेल ने मध्य प्रदेश में ग्राम सड़क योजना की सफलता के बारे में बताया। उन्होंने कहा- प्रदेश में 10,290 किलोमीटर की सड़कें बनाने में वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग हुआ है। आने वाले समय में भी नवाचार के साथ लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। दिल्ली से ज्वाइंट सेक्रेटरी अमित शुक्ला भी इसमें शामिल होने पहुंचे थे।

संपादकीय

फिर सवालों के घेरे में चुनाव आयोग

केन्द्र सरकार द्वारा चुनावी सीसीटीवी फुटेज की सार्वजनिक जांच पर रोक लगाने के फैसले से नया बवाल मच गया है। सरकार ने ऐसा क्यों किया, इसको लेकर जो तर्क दिए गए हैं, वो बहुत गले उतरने वाले नहीं है। यह समझना मुश्किल है कि चुनाव में मतदाता द्वारा डाला गया वोट भले ही गोपनीय है, लेकिन चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी हर बात गोपनीय कैसे हो सकती है, खासकर तब कि जब हम लोकतंत्र की बात करते हैं और लोकतंत्र की पहली शर्त पारदर्शिता है। सरकार के ताजा फैसले ने विपक्ष की इस आशंका को और बल दे दिया है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। चुनाव आयोग की कार्यशैली निष्पक्ष होने के बजाए ज्यादा रहस्यमय और परोक्ष रूप से सत्तापक्ष को लाभ पहुंचाने वाली होती जा रही है। कांग्रेस ने सीधे तौर पर इसे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर 'एक और हमला' करार दिया है। गौरतलब है कि केन्द्र ने ताबड़तोड़ तरीके से चुनाव संचालन नियम, 1961 में संशोधन कर दिया है। यह संशोधन पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को पलटने के लिए किया गया है, जिसमें चुनाव आयोग को 2024 हरियाणा चुनावों से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और अन्य दस्तावेजों को अधिवक्ता महमूद प्राचा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने यह आदेश 9 दिसंबर को दिया था। कोर्ट ने कहा था कि प्राचा द्वारा आवेदन करने और जरूरी शुल्क जमा करने के बाद, छह हफ्ते के भीतर ये दस्तावेज़ प्रदान किए जाएं। लगता है कि इस आदेश ने सरकार के माथे पर बल ला दिए और शुक्रवार को कानून और न्याय मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियमों के नियम 93(2)(a) में संशोधन अधिसूचना जारी की। कहा गया कि यह संशोधन चुनाव आयोग से परामर्श करने के बाद किया गया है। पहले और अब में फर्क यह है कि पूर्व संशोधित नियम में 'चुनाव से संबंधित अन्य सभी कागजात' की सार्वजनिक जांच की अनुमति थी। संशोधन के बाद अब सार्वजनिक जांच केवल 'इन नियमों में निर्दिष्ट अन्य कागजात' तक सीमित होगी। साथ ही इस संशोधन से चुनाव से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की जांच को प्रभावी रूप से प्रतिबंधित कर दिया दिया गया है। इसका सीधा मतलब है कि अब कोई भी चुनाव की सीसीटीवी फुटेज नहीं देख पाएगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस संशोधन को चुनाव आयोग की 'तेजी से घटती हुई निष्पक्षता' के संबंध में किए गए दावों की पुष्टि करार दिया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना क्यों डरता है?' साथ ही उन्होंने यह दावा भी किया कि चुनाव आयोग के इस कदम को कानूनी तौर पर चुनौती दी जाएगी। हालांकि इस बारे में चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव में खड़े उम्मीदवारों को पहले की तरह सभी दस्तावेज दिए जा सकेंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज के दुरूपयोग को रोकने के उद्देश्य से यह बदलाव किया किया है। विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों जैसे जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज साझा करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जहां गोपनीयता महत्वपूर्ण है। मतदाताओं की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। सभी चुनावी कागजात और दस्तावेज़ अन्यथा सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध हैं। यहां तक कि प्राचा भी सभी दस्तावेज हासिल कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि आम लोगों को इन दस्तावेजों की पहुंच से दूर कर दिया गया है। सरकार यह क्यों मान कर चल रही है कि चुनाव से सम्बन्धित इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का दुरूपयोग ही होगा? सरकार के इस आदेश को कोर्ट में चुनौती दिया जाना तय है। ऐसे में कोर्ट में यह आदेश कितना टिकेगा, यह देखने की बात है।

नजरिया

बलदेव राज भारतीय

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

सड़कों पर दौड़ती मौत का जिम्मेदार कौन?

रास्ता चाहे कोई भी हो-राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, लिंक रोड, या फिर कच्चा रास्ता-इन डंपरों की बेलगाम गति और बेकाबू रवैया हर जगह खौफ का माहौल पैदा कर देता है। ये डंपर जैसे ही सड़क पर आते हैं, तो यमराज के भैंसे की तरह भयानक प्रतीत होते हैं। इनकी तीव्र गति और चालकों की लापरवाही हर दिन किसी न किसी निर्दोष की जान ले लेती है। अखबारों के पन्ने खोलते ही ऐसी घटनाओं की खबरें सामने आ जाती हैं। 'डंपर ने राहगीर को कुचला, डंपर की चपेट में आई कार, डंपर चालक की लापरवाही से स्कूल की शिक्षिका की मौत'- इस तरह की सुर्खियां अब आम हो चुकी हैं। इन घटनाओं के पीछे का मुख्य कारण डंपर चालकों का लापरवाह और गैरजिम्मेदाराना रवैया है, जो न तो सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हैं और न ही दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं।

बीते सप्ताह जयपुर में हुए गैस टैंकर विस्फोट में 13 लोगों की जान गई थी। इस हादसे ने कई सवालों को जन्म दिया है।आज जब हम अपने चारों ओर नजर घुमाते हैं, तो कहीं न कहीं कुछ न कुछ नया निर्माण कार्य होता हुआ दिखाई देता है। सड़कों पर गहमागहमी है, पुल बनाए जा रहे हैं। बड़े-बड़े हाईवे तैयार हो रहे हैं, और अंडरपासों का निर्माण किया जा रहा है। इन सब को देखकर यह एहसास होता है कि देश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। यह चित्रण निश्चित रूप से एक सकारात्मक संकेत है, जो हमें एक उज्ज्वल भविष्य का भरोसा दिलाता है। परंतु इस विकास के पथ पर एक गंभीर समस्या भी दिन-ब-दिन विकराल रूप लेती जा रही है–यह समस्या है बेलगाम डंपरों की, जो सड़कों पर मौत का तांडव मचाते नजर आते हैं।

रास्ता चाहे कोई भी हो-राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, लिंक रोड, या फिर कच्चा रास्ता-इन डंपरों की बेलगाम गति और बेकाबू रवैया हर जगह खौफ का माहौल पैदा कर देता है। ये डंपर जैसे ही सड़क पर आते हैं, तो यमराज के भैंसे की तरह भयानक प्रतीत होते हैं। इनकी तीव्र गति और चालकों की लापरवाही हर दिन किसी न किसी निर्दोष की जान ले लेती है।

अखबारों के पन्ने खोलते ही ऐसी घटनाओं की खबरें सामने आ जाती हैं। 'डंपर ने राहगीर को कुचला,' 'डंपर की चपेट में आई कार,' 'डंपर चालक की लापरवाही से स्कूल की शिक्षिका की मौत'- इस तरह की सुर्खियां अब आम हो चुकी हैं। इन घटनाओं के पीछे का मुख्य कारण डंपर चालकों का लापरवाह और गैरजिम्मेदाराना रवैया है, जो न तो सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हैं और न ही दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं।

अभी कुछ दिनों पहले यमुनानगर में एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। एक स्कूल की शिक्षिका, जो हर रोज की तरह अपने कार्यस्थल जा रही थी, एक बेलगाम डंपर की चपेट में आ गई। यह घटना इतनी भयावह थी कि शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घटना ने एक सेवानिवृत सैनिक को अपनी चपेट में ले लिया जब वह अपनी बाइक से अपने निजी कार्य के लिए जा रहा था। यह सिर्फ चंद उदाहरण है; ऐसी घटनाएं देशभर में हर घंटे घट रही हैं।

डंपर चालकों की लापरवाही के कई रूप देखने को मिलते हैं। इन चालकों को सड़क पर अपनी मनमानी करने की छूट मिल जाती है। ओवरलोडिंग, तेज गति से गाड़ी चलाना, लालबत्ती तोड़ना, गलत दिशा में गाड़ी चलाना—इन सबका असर सड़क पर चलने वाले आम

लोगों की सुरक्षा पर पड़ता है। डंपरों की समस्याओं का एक बड़ा कारण है उनका ओवरलोड होना। निर्माण सामग्री की ढुलाई के लिए उपयोग किए जाने वाले ये वाहन अक्सर अपनी क्षमता से कई गुना अधिक वजन लेकर चलते हैं। इससे न केवल सड़कों को नुकसान पहुंचता है, बल्कि गाड़ी की गति और नियंत्रण पर भी असर पड़ता है। ओवरलोडेड डंपर का संतुलन बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

इसके अलावा, डंपरों का रखरखाव भी अक्सर उपेक्षित रहता है। खराब ब्रेक, घिसे हुए टायर, और पुराने इंजन के साथ ये डंपर मौत के जाल की तरह सड़कों पर चलते हैं। कई बार इनके कारण पुल और सड़कों पर जाम की समस्या भी खड़ी हो जाती है। डंपर चालकों की एक बड़ी समस्या उनका गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। इनमें से कई चालक नशे की हालत में गाड़ी चलाते हैं, जो हादसों को और बढ़ा देता है। इसके अलावा, इन चालकों को अक्सर उचित प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना और गाड़ी चलाने के सही तरीके सीखना इनकी प्राथमिकता में शामिल नहीं होता।

इन चालकों पर कई बार स्थानीय अधिकारियों और मालिकों का भी दबाव होता है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर सामग्री पहुंचाएं। ऐसे में चालक समय बचाने के लिए तेज गति से वाहन चलाते हैं और सड़क पर किसी भी प्रकार की सावधानी नहीं बरतते। डंपर दुर्घटनाओं को रोकने में कानूनी ढांचे की कमजोरी भी एक बड़ी बाधा है। जब भी कोई दुर्घटना होती है, तो दोषी चालक अक्सर सस्ते जुर्माने या रिश्वत के जरिए बच निकलता है। सड़क सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, जिससे चालकों में डर और जिम्मेदारी की भावना नहीं होती।

इसके अलावा, ओवरलोडिंग और खराब वाहन रखरखाव पर निगरानी रखने वाले नियमों का पालन भी ठीक से नहीं किया जाता। कई बार ऐसे डंपर बिना किसी वैध परमिट या फिटनेस सर्टिफिकेट के भी सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। डंपर दुर्घटनाओं का असर सिर्फ सड़क पर चलने वालों तक ही सीमित नहीं है; इसका व्यापक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। जब कोई दुर्घटना होती है, तो पीड़ित परिवार को न केवल अपार मानसिक कष्ट सहना पड़ता है, बल्कि उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, इन दुर्घटनाओं के कारण निर्माण परियोजनाओं में देरी, यातायात जाम, और चिकित्सा सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। देश की आर्थिक प्रगति में भी इन समस्याओं का असर देखने को मिलता है।

डंपर चालकों की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए। डंपर चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों और गाड़ी चलाने के सही तरीकों पर प्रशिक्षण देना अनिवार्य होना चाहिए। डंपरों में ओवरलोडिंग पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। इसके लिए नियमित निरीक्षण और भारी जुर्माना लागू किया जा सकता है।

सड़कों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और ट्रैफिक पुलिस की उपस्थिति बढ़ाई जानी चाहिए। आम जनता को भी सड़क पर सतर्क रहने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। सड़क पार करने के लिए जगह जगह अंडरपास बनाए जाने चाहिएं। देश का विकास अवश्य महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि यह विकास सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से हो। सड़कों पर बेलगाम डंपरों का आतंक खत्म करना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है, बल्कि समाज के हर वर्ग को इस दिशा में योगदान देना चाहिए। अगर हम समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं निकालते, तो विकास के साथ-साथ दुर्घटनाओं और मानवीय नुकसान का यह चक्र भी चलता रहेगा।

कुछ लोगों का मानना है कि डंपरों के लिए अलग सड़कें बनाई जानी चाहिए, जिनका निर्माण और रखरखाव पूरी तरह से इनके मालिकों की जिम्मेदारी हो। यह विचार सड़कों पर यातायात का बोझ कम करने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी समाधान प्रतीत होता है। हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों और संसाधनों को देखते हुए, निकट भविष्य में ऐसी व्यवस्था को लागू करना बेहद कठिन और लगभग असंभव है। इसलिए, फिलहाल आवश्यकता इस बात की है कि डंपरों की स्थिति और उनके संचालन में सुधार लाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। सड़क सुरक्षा नियमों के सख्त अनुपालन और निगरानी तंत्र को मजबूत बनाकर इस समस्या के समाधान का प्रयास किया जाए।

जयंती पर विशेष

धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी

लेखक मप्र के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मंत्री हैं।

अटल जी : आधुनिक भारत के राष्ट्रपुरूष

कर्मण्यकर्म यः पश्येदकर्मणि च कर्म यः।
स बुद्धिमान्मनुष्येषु स युक्तः कृत्स्नकर्मकृत्।
श्रीमद्भगवद्गीता 4/18

अर्थात् जो मनुष्य कर्म में अकर्म और अकर्म में कर्म को देखता है, वह सभी मनुष्यों में बुद्धिमान और सर्वश्रेष्ठ है। वह कर्म प्रवृत्ति रह कर भी सर्वदा दिव्य स्थिति में रहता है। भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी भी एक ऐसे ही कर्मशील युगपुरुष थे, जो जीवनपर्यंत निःस्वार्थ और अनासक्त भाव से अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहे। उनके कार्यों में व्यक्तिगत भाव किंचित मात्र भी नहीं रहा है। उनके प्रत्येक कर्म में सदैव राष्ट्रहित सर्वोपरि था। वे केवल राष्ट्र के लिए हीं जीते थे, उनकी हर श्वास के लिए थी। इसलिए उनका कर्तव्य पथ उन्हें मोक्ष के मार्ग पर लेकर जाता है। व्यक्तिगत उपबंध से स्वाधीन अटल जी का चिंतन और चिंता का विषय सदैव संपूर्ण राष्ट्र रहा है। भारत और भारतीयता की संप्रभुता एवं उसके संवर्धन की कामना ही उनके चिंतन और दर्शन में सर्वोपरि रही है। उन्होंने राष्ट्र के सम्मान और समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और कभी भी किसी भी संकट से विचलित नहीं हुए। उनकी कविताओं में राष्ट्रीयता की भावना, जिस ओजस्विता, तेजस्विता और वीरता के स्वरों के साथ व्यक्त हुई, वह राष्ट्र के गौरव को रेखांकित करती है। अटल जी कहते हैं-

आज सिंधु में ज्वार उठा है, नगपति फिर ललकार उठा है,
कुरुक्षेत्र के कण-कण से फिर, पांचजन्य हुँकार उठा है।
शत-शत आघातों को सहकर, जीवित हिंदुस्तान हमारा,
जग के मस्तक पर रोली-सा, शोभित हिंदुस्तान हमारा।
दुनिया का इतिहास पूछता, रोम कहाँ, यूनान कहाँ है?
घर-घर में शुभ अग्नि जलाता, वह उन्नत ईरान कहाँ है?
दीप बुझे पश्चिमी गगन के, व्याप्त हुआ बर्बर अँधियारा,
किंतु चीरकर तम की छाती, चमका हिंदुस्तान हमारा।

अटल जी का राष्ट्रवादी चिंतन उनकी राजनीति, लेखनी और व्यक्तित्व में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव के प्रबल समर्थक थे। उनके विचारों के केंद्र में सदा भारत रहा है। उनका राष्ट्रवाद ''सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय'' के सिद्धांत पर आधारित था। उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता की नींव में सहिष्णुता, विविधता और समानता के मूल्य निहित हैं। वे कहते हैं-

भारत जमीन का टुकड़ा नहीं,
जीता जागता राष्ट्र पुरुष है।
हम जिएंगे तो इसके लिए,
मरेंगे तो इसके लिए।

अटल जी एक आदर्शवादी राजनेता के साथ एक काव्य साधक भी थे। उनकी काव्य साधना में मानव समाज और राष्ट्र के प्रति उनकी व्यक्तिगत संवेदनशीलता आद्योपांत प्रकट होती है। वह एक ऐसे भारत के निर्माण का स्वप्न देखते थे, जो भूख, भय, गरीबी, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी काव्य साधना में एक कर्मयोगी की कर्तव्य-परायणता और राष्ट्रवाद की दृढ़ भावना की झलक दिखाई देती है। वह कहते हैं -

पंद्रह अगस्त का दिन कहता, आजादी अभी अधूरी है।
सपने सच होने बाकी है, रावी की शपथ न पूरी है।
दिन दूर नहीं खंडित भारत को, पुनः अखंड बनाएंगे।
गिलगित से गारो पर्वत तक, आजादी पर्व मनाएंगे।

वाजपेयी जी एक अदम्य साहसिक व्यक्तित्व के धनी थे, वे जो सोच लेते थे उसे करके ही मानते थे। उनके राजनीतिक निर्णय में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उनका राष्ट्रवाद ''आत्मनिर्भर भारत'' की अवधारणा पर आधारित था। वह भारत को आर्थिक, सामरिक और वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। पोखरण परमाणु परीक्षण और कारगिल विजय जैसे अद्वितीय कार्य उनकी इस कविता को चरितार्थ करते हैं -

टूटे हुए सपने की सुने कौन सिसकी,
अंतर को चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी,
हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा
काल के कपाल पर, लिखता हूं, मिटाता हूं
गीत नया गाता हूं।

वे भारत की एकता और अखंडता के लिए कितने सजग और संघर्षशील थे। यह बात उनकी कविताओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे कहते हैं -

आहुति बाक़ी यज्ञ अधूरा,
अपनों के विघ्नों ने घेरा।
अंतिम जय का वज्र बनाने,
नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ।
आओ फिर से दिया जलाएँ।।

अटल जी का राष्ट्रवाद समावेशी था। वे धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर थे, किंतु इसका आशय तुष्टीकरण नहीं था। उनका मानना था कि सभी धर्म का सम्मान होना चाहिए और किसी भी धर्म को विशेष लाभ नहीं मिलना चाहिए। वह भारत के सभी वर्गों, धर्म और जातियों के लिए समान अवसर और समान अधिकार सुनिश्चित करना चाहते थे।

वाजपेयी जी एक आदर्शवादी और सिद्धांतवादी राजनेता थे। उनके चिंतन में राजनीति और नैतिकता का गहरा संबंध था। उनका मानना था, कि राजनीति में नैतिक मूल्यों का पालन किया जाना आवश्यक है। वह कहते थे - ''राजनीति में विरोध हो लेकिन विरोधी को शत्रु न माने।'' उनका मानना था कि, राजनीति में विचारों का संघर्ष हो सकता है लेकिन उसे व्यक्तिगत वैमनस्य में नहीं बदलना चाहिए। इन्हीं राजनीतिक आदर्श ने उन्हें भारतीय राजनीति का अजातशत्रु बना दिया है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनके सर्वांगीण राष्ट्रवादी चिंतन के कारण ही वर्ष 1994 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री व्ही.पी. नरसिम्हा राव द्वारा विशेष आग्रह कर अटल जी को जिनेवा में मानवाधिकारों के सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा था। भारत जैसे बड़े गणतांत्रिक राष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष द्वारा सरकार का पक्ष प्रस्तुत किए जाने की यह घटना अपने आप में आश्चर्यजनक थी। इस घटना के कारण भारत के लोकतंत्र के प्रति विश्व में निष्ठा और विश्वास और अधिक दृढ़ हुआ। यह घटना अटल जी की योग्यता और उत्कृष्टता का प्रमाण है

श्री अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राष्ट्रवादी राजनेता नहीं ही नहीं थे, बल्कि एक गहरे दार्शनिक चिंतक भी थे। उनका दार्शनिक चिंतन, जीवन, राजनीति, समाज और राष्ट्रीयता के व्यापक आयाम को समेटे हुए था। उनकी विचारधारा, मानवीय मूल्य, सहिष्णुता और सत्य निष्ठा पर आधारित थी। उनका दार्शनिक दृष्टिकोण मानवता के प्रति करुणा और मानव कल्याण की भावना से ओत-प्रोत था। उनकी कविता 'जीवन की ढलान पर', 'मिले दो पल आराम के' इस विचारधारा को सहज ही अभिव्यक्त करती है।

अटल जी का दार्शनिक चिंतन समाज और अर्थव्यवस्था के समावेशी विकास पर केंद्रित था। उनका मानना था कि देश का विकास तभी संभव है,जब समाज के सभी वर्गों को सामान अवसर प्राप्त होंगे एक अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा था कि, ''हमने समाज के एक बड़े वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जुड़ने से रोक रखा है।'' 'सामाजिक समानता और समावेशी विकास' की भावना उनकी कविताओं में भी सहज रूप से प्रकट होती है।

अटल बिहारी वाजपेयी का दार्शनिक दृष्टिकोण आध्यात्मिकता से प्रेरित था। उनका मानना था कि व्यक्ति को अपने कर्म, विचार और व्यवहार में आत्मशुद्धि और अनुशासन का पालन करना चाहिए। उन्होंने गीता के 'कर्म योग' को अपने जीवन और कार्यों में अपनाया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि, कैसे कर्म और कर्तव्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनका जीवन दर्शन हमें सिखाता है, कि कर्म, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन और कार्यों से यह दिखाया कि राजनीति, राष्ट्रीयता और मानवता को किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। वह कहते हैं-

दांव पर सब कुछ लगा है, रुक नहीं सकते।
टूट सकते हैं मगर हम, झुक नहीं सकते।।

अटल जी का राष्ट्रवादी चिंतन उनके संपूर्ण जीवन के कार्यों में झलकता है। वह सही मायने में एक ऐसे राष्ट्रवादी थे जिन्होंने भारत को अपनी आत्मा और विचारों से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने अपने संपूर्ण राजनीतिक जीवन में राजनीति की आदर्श मर्यादा का कभी उल्लंघन नहीं किया। जीवनपर्यंत उनका आचरण, व्यवहार नैतिक मूल्यों से समृद्ध रहा। लाल किले से लाहौर तक और संसद से संयुक्त राष्ट्र तक अटल जी के वक्तव्य में सत्य और आदर्श हमेशा प्रमाणित और प्रतिध्वनित होते रहे। एक सर्वमान्य और आदर्श नेता के रूप में उनका व्यक्तित्व न केवल भारतवर्ष में अपितु संपूर्ण विश्व में आदरणीय रहा है।

वास्तव में भारत अटल जी आधुनिक भारत के 'राष्ट्रपुरुष' हैं। अपनी मातृभूमि के प्रति उनका चिंतन और उनके कार्य निश्चित ही साहसिक और अद्वितीय हैं। उनके मूल्य, आदर्श, उनका दर्शन और राष्ट्रवादी चिंतन सदियों तक भारतवर्ष के लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक के रूप में अनुकरणीय रहेंगे।

चित्रपट पर समाज की आवाज

स्मृति शेषः श्याम बेनेगल

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

ऐसे समय में जब हिन्दी सिनेमा भारत
के समाज से दूर दिखायी दे रहा है।
जब फिल्मों में गॉवों और शहरों के
जीवन को क्रूर-कल्पित दबंगई के
'बदलापुर' में बदला जा रहा है। जब
फिल्मों में भाषा, संगीत और देहाभिनय
को विकृत किया जा रहा है तब
फिल्मकार श्याम बेनेगल का देहावसान
गहरे अकेलेपन से भर रहा है। हमारे
राजनेता और मीडिया रोज़ कहते हैं कि...
जनता सब कुछ देख रही है पर वे इस प्रश्न
पर विचार ही नहीं करते कि जनता को
क्या दिखाया जा रहा है। जनता क्यों
कुछ सोच नहीं पा रही, क्यों कुछ कह
नहीं पा रही?
श्याम बेनेगल आज़ाद भारत में आम आदमी
के जीवन की हकीकत की आवाज़ बने।
फिल्म 'अंकुर' से लेकर भारत के
संविधान पर उनके रचे सीरियल यह
प्रमाणित करते हैं कि बेनेगल समाज को
जगाने वाले फिल्मकार रहे हैं। उसे
आवाज़ उठाने के काबिल बनाने के
लिए उसी के सामने उसके जीवन की
व्यथा का मर्म उघारते रहे हैं। उन्होंने
चित्रपट पर उस भारत को भी प्रकट
किया जो आदिकाल में ऋग्वेद के
नासदीय सूक्त में यह प्रश्न पूछता है
कि... सृष्टि का कौन है कर्त्ता? इस
भारत की खोज की इतिहास कथा
जवाहरलाल नेहरू ने लिखी थी।
आज जब लोकतंत्र में राजनीतिक, आर्थिक
और सामाजिक न्याय के प्रति अज्ञान से
भरे और सत्ता पाकर व्यर्थ अहंकार में
डूबे हमारे राजनेता अपने आपको कर्ता
मान बैठे हैं, श्याम बेनेगल की फिल्में
इनके बौनेपन से उपजे संकटों का
लेखा-जोखा पेश करती हैं और लोकतंत्र
को रचने वाले आम हुनरमंद जनों की
पीड़ा के दृश्य दिखाकर मन को
आंदोलित करती हैं। उनकी फिल्मों के
दृश्यों में गांधी, नेहरू, अम्बेडकर के
विचारों की अनुगूंजों के सहारे अन्याय
से मुक्ति की छोटी-छोटी पगडण्डियां
दीखती हैं।
अभी कुछ दिन पहले हमारी संसद में

संविधान पर जो तू-तू-मैं-मैं होती रही
और जिसे देखकर आम जन को
आभास हुआ कि हमारे चुने हुए
प्रतिनिधि किस तरह संविधान की
धज्जियां उड़ा रहे हैं... हमें चित्रपट पर
रची गयी श्याम बेनेगल की संविधान
सभा याद आ रही है। उन्होंने भारत के
आधुनिक लौकतंत्र में समता, स्वतंत्रता,
न्याय और बंधुता के मूल्यों को स्थापित
करने वाली संविधान सभा का वह
फिल्म नाट्यरूप रचा जो अब एक
बोलता इतिहास है। श्याम बेनेगल की
फिल्में आज़ादी के पहले और बाद के
भारत का चलता-फिरता प्रामाणिक
इतिहास बन गयी हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्रिसमस पर विशेष

अतुल गोयल

लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं।

रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

क्रिसमस' पर्व पूरी दुनिया में 25 दिसम्बर को मनाया जाने ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व वास्तव में केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है। मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी।

ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है। जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए। एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, ''हे ईश्वर ! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।'' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात् ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास

भागीरथ, भोज, छत्रसाल की अटल विरासत के संवाहक मोदी

विष्णुदत्त शर्मा

लेखक मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद हैं।

मध्यप्रदेश की पुण्यभूमि, जो अपनी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक गौरव के लिए प्रसिद्ध है, अब एक और ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने जा रही है। 25 दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के खजुराहो में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से होगा। यह क्षण न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए विकास, जल संरक्षण एवं जल समृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय लिखने वाला होगा, साथ ही यह भारत की जल क्रांति की नई गाथा लिखने का भी प्रतीक बनेगा। शुभ योग यह है कि परियोजना का भूमिपूजन आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के दिन हो रहा है, जिन्होंने भारत के विकास के लिए अनेक सपने देखे थे, उनमें नदियों को जोड़ना विशेष रूप से शामिल था। उन्होंने इस दिशा में प्रारंभिक कदम भी उठाए थे। प्रधानमंत्री मोदी जी अब स्वप्न दृष्टा वाजपेयी जी के सपने साकार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। यह परियोजना प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता, मध्यप्रदेश के प्रति उनके विशेष स्नेह और अटलजी के विचारों के प्रति समर्पण का एक और प्रमाण है, जो मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी।

प्राचीन भारतीय पौराणिक कथाओं में गंगा की धरा पर उपस्थिति का श्रेय राजा भागीरथ को दिया जाता है। राजा भागीरथ के तप और साधना से गंगा धरती पर अवतरित हुई, जिसकी उपस्थिति से भारत का भू-भाग समृद्ध हुआ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी आधुनिक भागीरथ हैं। मोदीजी ने भी जल संकट से जूझते भारत के लिए एक नई जल क्रांति की शुरुआत की है। जल संसाधनों को भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उनके नेतृत्व में जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य और विकास का आधार बन गया है। गुजरात में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उनकी जल नीतियों ने सूखे और जल संकट से जूझते गुजरात को जलसमृद्धि का अनूठा उदाहरण बनाया। गुजरात, जो कभी सूखे और जल संकट का प्रतीक था, आज नर्मदा नदी के जल से आच्छादित है। उनकी दूरदृष्टि और अदम्य साहस ने नर्मदा नदी के जल को सही दिशा में मोड़ते हुए गुजरात की प्यास बुझाई, कृषि क्षेत्र को समृद्ध किया और नर्मदा के जल से साबरमती नदी को भी नया जीवन दिया। यह उनकी नीतियों और इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि गुजरात में जल के अभाव का स्थान जल के सदुपयोग और समृद्धि ने ले लिया। गुजरात में उनका काम जल संकट से जूझ रहे राज्यों के लिए आदर्श बन चुका है।

माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने जल संरक्षण को केवल एक सरकारी नीति तक ही सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। उनके अनुसार, जल का प्रबंधन एक पुण्य कर्म है, जिसमें वर्तमान की जरूरतें और भविष्य की पीढ़ियों का उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। उनका यह कथन इस सोच को सार्थक रूप देता है कि जल का सवाल केवल संसाधनों का नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व का है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी जी को आधुनिक राजाभोज कहना न्याय संगत है। राजा भोज ने जल संरक्षण के लिए ऐसी संरचनाएं बनाईं, जो सदियों बाद भी जल प्रबंधन की उत्कृष्ट मिसाल बनी हुई हैं। भोपाल का ऐतिहासिक बड़ा तालाब राजा भोज की जल संरक्षण क्षमता का अद्भुत उदाहरण है,जो सदियों बीत जाने के बाद भी लाखों लोगों की प्यास बुझा रहा है। दो नदियों के संगम से बनाए गए इस तालाब ने यह सिद्ध कर दिया है कि जल संरक्षण केवल उस समय की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि उसे पीढ़ियों के लिए उपहार के रूप में संरक्षित किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी जी का दृष्टिकोण भी ऐसा ही है। मोदी जी भी जल संरचनाओं के जनक राजाभोज की परंपरा को आधुनिकता के साथ मानवता के अस्तित्व के लिए आगे बढ़ा रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि जल का संरक्षण केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा है-'जल संचय केवल एक प्रयास नहीं, यह एक पुण्य है। इसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। आने वाली पीढ़ियां जब हमारा आकलन करेंगी, तो यह केवल हमारी आर्थिक उपलब्धियों या भौतिक विकास पर आधारित नहीं होगा।

उनका पहला प्रश्न यही होगा कि हमने जल के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाया। जल का संरक्षण, प्रबंधन और इसके प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही भविष्य में हमारी पहचान बनेगी।' यह विचार न केवल जल संरक्षण के महत्व को दर्शाता है इसीलिये उनकी जलनीतियां दीर्घकालिक हैं, जो न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान करती हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी टिकाऊ मार्ग प्रस्तुत करती हैं। मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुए 'जल शक्ति अभियान' और 'हर घर जल' और कैच द रैन जैसे अभियानों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को परिवर्तित कर दिया है। उनकी योजनाएं यह सिद्ध करती हैं कि जल प्रबंधन में उनका दृष्टिकोण कितना प्रभावशाली और स्थायी है।

मध्यप्रदेश के प्रति प्रधानमंत्री मोदी जी का विशेष लगाव समय-समय पर उनकी योजनाओं और निर्णयों से स्पष्ट होता है। उन्होंने हमेशा मध्यप्रदेश को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। उनके प्रयासों से राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अब केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना मध्यप्रदेश के विकास में नई ईबारत लिखने जा रही है। केन-बेतवा लिंक परियोजना, जिस भूमि पर बन रही है, वह शौर्य, सम्मान और जनकल्याण के प्रतीक बुंदेलखंड की भूमि है, बुंदेलखंड की पवित्र भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोकहित को सर्वोपरि रखा। राजा छत्रसाल ने अपनी नीतियों और नेतृत्व से बुंदेलखंड के लोगों के कल्याण के लिए जो काम किए, उनकी गूंज आज भी सुनाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी जी का नेतृत्व भी राजा छत्रसाल के दृष्टिकोण का आधुनिक संस्करण है। उनकी योजनाएं और प्रयास बुंदेलखंड को जल संकट से उबारने और यहां की सूखी धरती को फिर से हराभरा बनाने के लिए समर्पित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के संकल्प का फल है कि 44,605 हजार करोड़ रूपये की केन-बेतवा लिंक जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजना आज जमीन पर उतर रही है और इसने खजुराहो लोकसभा ही नहीं बल्कि सारे बुंदेलखंड की विभीषिका को समाप्त करने के मार्ग प्रशस्त कर दिये हैं। मध्यप्रदेश की 44 लाख एवं उत्तर प्रदेश की 21 लाख जनता को इससे पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी एवं दोनों राज्यों की 65 लाख जनता को सीधे तौर पर इसका फायदा होगा । केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर और दतिया के साथ-साथ शिवपुरी, विदिशा और रायसेन सहित उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, बांदा और ललितपुर को भी मिलेगा। इस कार्य के पूरा हो जाने से जहां 8 लाख 11 हज़ार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी वहीं 62 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा। बुंदेलखंड में आने वाले उत्तर प्रदेश के 2 लाख 52 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और पेय जल की सुविधा भी इससे मिल सकेगी। यही नहीं 103 मेगा वाट पनबिजली और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा भी पैदा की जा सकेगी। परियोजना में ऐतिहासिक चंदेल कालीन तालाबों को सहेजने का कार्य भी होगा। इन तालाबों से भूजलस्तर बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र को फायदा तो होगा। कुल मिलाकर यह परियोजना भारत के जल संकट में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

प्रधानमंत्री मोदी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दृष्टा हैं। वे राजा भागीरथ, राजाभोज और छत्रसाल जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी जल नीति केवल भारत की जल समस्याओं का समाधान ही नहीं पूरे विश्व के लिए एक मिसाल बनते हुए उन्हें जलपुरुष के रूप में स्थापित करती है। उनका प्रयास हमें यह विश्वास दिलाता है कि भारत न केवल अपने जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन करेगा, बल्कि जल समृद्धि के क्षेत्र में विश्व का पथप्रदर्शक भी बनेगा। मध्यप्रदेश की पवित्र भूमि से जल संरक्षण और जल समृद्धि का यह संदेश जब पूरे देश में गूंजेगा, तो यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि जल और जीवन की नई गाथा का आरंभ होगा।

25 दिसंबर के दिन इस योजना का भूमिपूजन न केवल श्रद्धेय वाजपेयी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि जल संकट से जूझते देश के लिए एक नई उम्मीद भी है।

बुंदेलखंड के निवासियों से देश के मुखिया का यह आह्वान है कि वे इस परियोजना को एक महायज्ञ के रूप में देखें और इसके लाभों को आत्मसात करें। यह परियोजना केवल जल संकट का समाधान नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास, समृद्धि और खुशहाली का द्वार खोलने वाली है। यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वे जल संरक्षण के महत्व को समझें और इस परियोजना के उद्देश्यों को साकार करने में अपना योगदान दें।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वास्तव में एक नई जल क्रांति की ओर बढ़ रहा है। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि मोदी जी मेरे संसदीय क्षेत्र में इस परियोजना का भूमिपूजन करने आ रहे हैं, पूरे संसदीय क्षेत्र और मप्र की जनता की ओर से माननीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत है, वंदन है, अभिनंदन है और आभार है इस महापरियोजना से बुंदेलखंड की भूमि को वरदान देने के लिए, आनंदित करने के लिए...।

क्रिसमस विशेष

इस तरह जियें कि सभी के लिये यह बड़ा दिन सार्थक हो

रेव्ह विश्वास मसीह

स्वतंत्र लेखक एवं बेथलेहम चर्च इन्दौर के पास्टर

दो हजार वर्ष पूर्व मानव इतिहास को नई पहचान देने वाले एक मसीहा ने जन्म लिया। इस मसीहा के जन्म के बाद से इतिहास को दो रूपों ईसा पूर्व और ईसा बाद जाना गया। उसके आने ने इतिहास के उस पार के मानवीय सारे मूल्यों को एक नए नियम में परिवर्तित कर दिया। इतिहास के पुराने नियम उसके जन्म के बाद नये नियमों में बदल गए। मनुष्य इतिहास के उस पार, मानव अपने पापों से छुटकारा पाने के लिये, कितने ही प्रकार के बलिदान दे चुका था लेकिन उसके स्वभाव में कोई वैसा परिवर्तन नहीं आया जिससे वह अपने आप को पाक साफ कर सके। खून के बदले खून, दांत के बदले दांत और आंख के बदले आंख का बदला लेने के बाद भी मनुष्य जहां का तहां रहा। न उसके बदले की आग कभी खत्म हुई और न ही सम्पूर्ण जीवन गुफाओं में, पहाड़ों पर और विरानों में बिताने के बाद भी मनुष्य के पापी स्वभाव में बदलाव आया।

मानव कभी भी अपने बूते पर और अपने उपायों के द्वारा अपने पापों से उद्धार नहीं पा सकता था। इसलिये एक उद्धारकर्ता को ही इस पृथ्वी पर जन्म लेने की आवश्यकता आन पड़ी। यह उद्धारकर्ता केवल मार्ग दिखाने नहीं बल्कि मार्ग बन कर ही आ गया। वह सत्य दिखाने नहीं बल्कि स्वयं ही सत्य बन कर आ गया। जीवन कहां मिलेगा इस ओर संकेत करने नहीं बल्कि स्वयं ही जीवनदायक बन गया। इसलिये तो उसने कहा- मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूं। मैं खोये हुओं को ढूंढ़ने और उनका उद्धार करने को आया हूं। मैं इसलिये आया कि लोग जीवन पाये और बहुतायत का और शास्वत जीवन पाये।

इस उद्धारकर्ता ने मानव इतिहास को ही बदल दिया। जहां लोग ईष्या, जलन और बदले की भावना से मानव समाज को रौंद रहे थे वहीं इस उद्धारकर्ता ने प्रेम, सहनशीलता और अपने शत्रुओं को माफ करने का न केवल सबक ही सिखाया बल्कि उसको स्वयं अपने जीवन के उदाहरण के द्वारा कर दिखाया। जहां एक और लोग धन, सम्पत्ति और ऐशो आराम को ही जीवन का अंतिम लक्ष्य मान बैठे थे वहीं इस उद्धारकर्ता ने सरल, गरीबी और दूसरों की भलाई का नमूना पेश कर जीवन की एक नई राह दिखाई।

उसी तारणहार उद्धारकर्ता ने किसी महल में जन्म न लेकर एक गौशाले में जन्म लिया। उसको चरनी में रखा गया जो कि मवेशियों के चारे के खाने का स्थान था। उसको मलमल के कपड़ों में नहीं लपेटा गया बल्कि साधारण से पुराने कपड़ों में लपेट कर कड़कती ठंड में खुले आसमान के नीचे रखा गया।

उसको देखने के लिये जहां एक और चरवाहे आये वहीं दूसरी ओर नक्षत्रों को देख कर पता लगाने ऐसे ज्ञानी आये जिनको एक तारे ने रहनुमाई कर बताया कि एक उद्धारकर्ता जन्मा है। उन्होंने उसको ऐसी भेंट दी जो कि किसी राजा के दर्शन के समय दी जाती है। सोना, लोबान औद गंधरस। इन ज्ञानियों के द्वारा उस देश के राजा को पता चला कि किसी महान राजा ने जन्म लिया है। जबकि वह एक राजनैतिक राज्य के लिये नहीं जन्मा था बल्कि लोगों के दिलों का राजा होने के लिये जन्मा था। उसके नाम का अर्थ किसी राजनैतिक रणनीति से संबंधित नहीं बल्कि मनुष्य के उत्थान और उद्धार से संबंधित था। अर्थात् उसके नाम का ही अर्थ था उद्धारकर्ता।

अपने जन्म के बाद वह एक साधारण बालक की ही तरह पला बढ़ा (लूका 2), अपने बढ़ई पिता के साथ रहकर 30 वर्ष तक की उम्र तक वह माता-पिता के कामों में हाथ बढ़ाता रहा। जब उसका समय आया तब उसने कहना आरम्भ किया पश्चाताप करो और मन फिराओ, क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट है। उसने अन्य धर्म अगुओं की तरह लोगों को धन, संपत्ति एवं ऐशा आराम के जीवन का वादा नहीं किया बल्कि स्पष्ट किया कि उसकी राह कठीन है। उसने स्पष्टता से कहा कि जो मेरे पीछे आना चाहे उसे अपने आप का इंकार कर, क्रूस उठाकर मेरे पीछे आना होगा। साथ ही स्पष्ट किया जो अपने माता-पिता, भाई बहन और रिश्तेदारों को मुझसे अधिक प्रेम करेगा वह मेरा चेला नहीं हो सकता। उसने यह भी स्पष्ट किया कि उसके पीछे चलने वालों को बहुत सकरे मार्ग से गुजरना होगा। क्योंकि सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुंचाता है।

परन्तु जो संसार के हिसाब से चौड़े मार्ग पर चलने वाले लोग हैं वे उसके चेले नहीं हो सकते। उसने यह भी स्पष्ट किया कि जो अपने प्राण को खोता है वह बचाता है परन्तु जो बचाता है वह खो देता है। इसलिये अपने पीछे आने वाले लोगों को उसने स्पष्ट किया कि तुम पृथ्वी पर अपने लिये धन मत बटोरो, जिसे चोर चुरा लें या तो किसी न किसी तरह से नष्ट हो जाये, परन्तु अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो जहां कोई उसे चुरा नहीं सकतें और न ही वह कभी नष्ट हो सकता। बदले न लेने की भावना और अपने शत्रुओं के लिये प्रार्थना करना और उन्हें क्षमा करने का पाठ संसार को सिखाया। इसलिये तो उसने कहा- जो तेरे एक गाल पर चाटा मारे, उसके आगे दूसरा भी फेर दे। जो तुझे जबरन एक मील ले जाये उसके साथ दो मील चला जा और जो तेरा कमीज लेना चाहे उसे अपना कोट भी दे दें। (मत्ती 5 से 7 अध्याय)

ऐसा उद्धारकर्ता मानव जाति के लिये जन्मा। उसकी खुशी बाजारु तौर तरीको से मनाने की आवश्यकता नहीं है। उसको अपनाने और अपने जीवन का उसे मसीहा बनाने में ही संसार की सर्वाधिक खुशी और आंनद है। क्या आप केवल नये कपडे, खान पान और रंगरेलियों में इस उद्धारकर्ता का स्वागत करना चाहते हैं या फिर उसके बताये मार्ग पर चल कर अपने जीवन को संवारने, अर्थपूर्ण बनाने और मान सेवा करने में अपने जीवन को लगाएगें । आइये हम इस बड़े दिन (क्रिसमस) पर अपने जीवन में इस उद्धारकर्ता को स्वीकार करें। उसे अपने जीवन का प्रभु बनाये एवं सही अर्थों में न केवल अपने लिये जिये बल्कि दूसरों की सेवा करने में अपने जीवन को खर्च करें। प्रभु आप सभी को आशीष दे और आप सभी के लिये यह बडा दिन (क्रिसमस) सार्थक हो। आमीन।

जयंती पर विशेष

महामना मालवीय की जीवन यात्रा के प्रेरक पहलू

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

भारतवर्ष की भूमि ऋषियों-मनीषियों की पुण्यभूमि है। सेवा साधना की तपस्थली है। कर्मयोगी साधकों के कर्ममय जीवन का सुगठित वितान है तो कल्पना एवं विचार का प्रेरक आख्यान भी। संस्कृति की चिर पुरातन ज्ञान धार है तो शास्त्रों का समन्वित सुखद सार भी। यहां मां भारती की पावन रज में अनेकानेक महापुरुषों ने जीवन के गूढ़ अर्थ समझे और समाज को दिशा दी। इन महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से तो हम परिचित होते ही हैं लेकिन उनके जीवन यात्रा में ऐसे तमाम रोचक, मनमोहक एवं प्रेरक प्रसंग समाहित है जो कहीं पीछे छूट जाते हैं। लेकिन उनका न केवल अपना विशेष माहात्म्य होता है बल्कि वे घटनाएं उनके व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन के नूतन पट भी पाठकों के सम्मुख खोलती हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं प्रथम कुलपति भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय एक ऐसे ही महनीय व्यक्तित्व हैं जिनके जीवन के तमाम अनछुए-अनकहे प्रसंग है जो बच्चों एवं युवा पीढ़ी को न केवल प्रेरित कर सकने में समर्थ हैं बल्कि उनकी वैचारिक प्रखरता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण को पुष्ट करने का आधार भी हैं। प्रस्तुत लेख में मैं महामना मदन मोहन मालवीय के जीवन से जुड़े कुछ ऐसे प्रसंग आपसे साझा करने की कोशिश करता हूं जो लोक जीवन में रचे बसे और पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक प्रसारित होते रहे हैं। स्वाभाविक है कालान्तर में मूल तथ्यों एवं घटनाओं में लोकरस का लालित्य लेप चढ़ गया हो। पर ऐसे सभी प्रसंग मालवीय जी के व्यक्तित्व को गरिमा गौरव प्रदान करते हुए उनकी विवेक बुद्धि, ज्ञान कौशल एवं उदात्त मानवीय गुणों के आगार का सात्विक दर्शन कराते हैं।

बनारस में 1915 में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन में मालवीय जी ने एक हिंदू विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए उनसे ही यह गुरुतर कार्य दायित्व ग्रहण करने का आग्रह किया गया। यह सर्वविदित है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए काशी नरेश ने गंगा के तट पार जमीन दान दे साथ ही अर्थ सहयोग भी किया। मालवीय जी दूरदर्शी एवं कुशल संगठक थे, इसलिए वह चाहते थे कि विश्वविद्यालय में जन सामान्य से लेकर सेठ-साहूकारों, राजे-रजवाड़ों एवं नवाबों-निजाम का सहयोग हो ताकि विश्वविद्यालय के प्रति संपूर्ण देश में एक अपनेपन का भाव उत्पन्न हो। इस दृष्टि से मालवीय जी ने धन संग्रह हेतु पूरे देश में प्रवास किया और प्रत्येक व्यक्ति से कुछ न कुछ लेकर ही आए। ऐसा कभी नहीं हुआ कि खाली हाथ लौटना पड़ा हो। विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए काशी नरेश ने शर्त रखी कि जितनी जमीन पर आप सूर्यास्त तक पैदल भ्रमण कर लेंगे वह आपको दान में मिल जाएगी। कहते हैं मालवीय जी दिन भर चले और जो जमीन दान में मिली उसमें 11 गांव, 70000 वृक्ष, 100 पक्के कुंए, 20 कच्चे कुंए, 40 पक्के मकान, 860 कच्चे मकान, एक मंदिर एवं धर्मशाला शामिल थे। सम्भव है लोकरंजन हेतु यह एक रूपक गढ़ा गया हो पर अपनी लक्ष्य सिद्धि के प्रति उनके समर्पण का परिचायक तो है ही। सुनने में आता है कि महामना मालवीय निजाम हैदराबाद के दरबार में उपस्थित हो विश्वविद्यालय के निर्माण में अर्थ सहयोग हेतु निजाम से अनुरोध किया। लेकिन निजाम ने साफ मना कर दिया। ऐसे नैराश्य पलों में भी मालवीय जी विचलित नहीं हुए और संयम एवं धैर्य से काम लेते हुए निवेदन किया कि मैं जहां कहीं भी गया हूं मुझे यथा योग्य अर्थ सहयोग मिला है। कहीं से खाली हाथ निराश होकर नहीं लौटा। इसलिए आपसे भी प्रार्थना है की इस शैक्षिक

अनुष्ठान में आप कुछ न कुछ अंश शामिल कर पुण्यभागी बनें। और यह कह कर उन्होंने एक चादर बिछा दी। कहते हैं तब निजाम ने मालवीय जी का अपमान करने की दृष्टि से चादर की ओर अपनी एक जूती उछाल कर कहा कि मेरी ओर से यही सहयोग है। मालवीय जी ने चादर समेटते हुए बुद्धि चातुर्य से हैदराबाद के प्रमुख चौराहे पर जूती की नीलामी की घोषणा कर दी। यह जन चर्चा का विषय बन गया, लोग जुटने लगे। यह जानकारी जब निजाम हैदराबाद को हुई तो गलती का अहसास हुआ तब उन्होंने बग्घी भिजवा कर आदर सहित मालवीय जी को दरबार में बुलवाया और क्षमा सहित मनोवांछित धनराशि भेंट किया।

ऐसे ही एक बड़ी प्रेरक घटना सुनी जाती है कि मालवीय जी रीवा नरेश की सभा में उपस्थित हो अपने आने का आशय प्रकट किया। जिस पर रीवा नरेश ने कहा कि पंडित जी आपकी दाल यहां नहीं गलेगी। तब मालवीय जी ने बहुत विनम्र शब्दों में कहा कि महाराज यदि यहां पानी होगा तो दाल अवश्य गलेगी। इस श्लेष शब्द युक्त वाक्य ने चमत्कार कर दिया और रीवा नरेश ने यथोचित दान देकर मालवीय जी को विदा किया। यह घटनाएं आज की पीढ़ी को सुननी एवं समझनी जरूरी है कि जीवन में जब हम बड़े उद्देश्यों को लेकर आगे बढ़ते हैं तो हमें किस प्रकार से सहनशील, धैर्यशील और विनम्र होना होता है। उल्लेखनीय है कि उनके पास आने-जाने के लिए कोई कार नहीं थी, वे इक्का-तांगा की सवारी कर लेते थे। एक बार मालवीय जी ट्रेन से कहीं बाहर से आये तो बनारस स्टेशन पर उतर तांगे की सवारी करते हुए विश्वविद्यालय आ रहे थे। वृद्धावस्था के कारण तांगे की सवारी उनके लिए कष्टकर थी। उन्हें इस तरह यात्रा करते हुए विश्वविद्यालय के दो छात्रों ने देखा, जिसमें एक कालाकांकर के राजा का अनुज था। उन दोनों ने संकल्प किया कि मालवीय जी को चंदे द्वारा एक कार भेंट करने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण करेंगे। उस समय एक कार की कीमत तीन हजार रुपये थी। वे दोनों छात्र अगली सुबह से लेकर शाम तक विद्यार्थियों और अन्य लोगों से चंदा एकत्र करते रहे पर दो हजार रुपये ही इकट्ठा कर सके। तब शेष एक हजार रुपये दानवीर शिव प्रसाद गुप्त ने नाम न प्रकट करने की शर्त के साथ दिये। कहीं से यह बात मालवीय जी को पता चल गई और सुबह ही उन्होंने उस विद्यार्थी को बुलाया और कहा कि आपने जो मेरे लिए किया है, उससे मुझे कष्ट हुआ है। क्योंकि विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु देश भर से निर्धन परिवारों से बच्चे आते हैं। यहां से जाने पर वह यह संदेश लेकर जाएंगे कि मेरे लिए कार की व्यवस्था हेतु उनसे धन लिया गया है। यह मेरे और विश्वविद्यालय की छवि पर आघात होगा। अतः आप सभी का पैसा वापस कर दें, तभी मैं अन्न-जल ग्रहण करूंगा। कहना न होगा की सभी के रुपये वापस कर दिये गये।

मालवीय जी समाज से दान में प्राप्त अन्न-धन का उपयोग परिवार के सदस्यों को नहीं करने देते थे। उनके घर में दो रसोई थीं, एक मालवीय जी के लिए और दूसरी शेष परिवार के लिए। मालवीय जी का भोजन शिवप्रसाद गुप्त द्वारा प्रेषित सामग्री से बनता था। एक दिन उनके पौत्र को परीक्षा देने जाना था किंतु परिवार की रसोई में नाश्ता तैयार न होने के कारण मालवीय जी के रसोईया ने बच्चे को नाश्ता देने हेतु पूछा तो मालवीय जी ने सख्त मना कर दिया और बोले कि परिवार की रसोई से कुछ पैसा दे दो। समयाभाव वश बालक बाहर कहीं नाश्ता न कर सका। पौत्र दिन भर भूखा रहा और मालवीय जी भी। शाम को अपनी-अपनी रसोई से भोजन लेकर दोनों ने साथ भोजन किया। तब पोते ने पूछा कि आपने मुझे सुबह अपनी रसोई से क्यों नहीं खाने दिया। मालवीय जी का उत्तर हम सब के लिए एक प्रकाश स्तंभ की भांति सदा पथ प्रदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि अभी तुम बच्चे हो इस गूढ़ रहस्य को नहीं समझ पाओगे। पर इतना समझ लो कि मेरी रसोई दान में प्राप्त अन्न से बनती है। उस अन्न को मैं पचा लूंगा क्योंकि मैंने थोड़ी सी देश सेवा की है, किंतु तुमने तो कुछ किया नहीं तो तुम्हारे लिए यह अहितकर होता। बालक ने मालवीय जी के चरणों में शीश झुका दिया। भारत रत्न महामना मालवीय जी के जीवन से जुड़े ऐसे ही तमाम प्रसंग किस्सों का रूप लेकर लोक जीवन को रसमय, विनोदमय एवं जीवन्त बनाये हुए हैं। आवश्कता है कि हम उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र रचना में अपना यथेष्ट अर्पण कर सकें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कथा श्रवण से मिलती है जीवन दर्शन की राह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● सांवेर के चित्तौड़ा में भागवत कथा में पहुंचे थे, संत कमल किशोर नागर महाराज की प्रशंसा की

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिले के सांवेर स्थित चित्तौड़ा में आयोजित श्रीमद्भागवत गौशाला के भागवत कथा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'सनातन संस्कृति का अपना विशेष महत्व है। मनुष्य जीवन सत्कर्म के लिए ही प्राप्त हुआ है। कथा श्रवण के माध्यम से हमें जीवन दर्शन की राह मिलती है, जो सदैव हमें सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। गौमाता की सेवा भगवान की सेवा के समान है।' सीएम ने व्यास पीठ का पूजन कर संत श्री का शाल भेंट कर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने संत श्री कमल किशोर नागर महाराज की सराहना करते हुए कहा कि वे गौसेवा के महान संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से मालवा, निमाड़, आदिवासी अंचल सहित प्रदेशभर में गौमाताओं के पालन का दायित्व निस्वार्थ भाव से निभाया जा रहा है, जो प्रशंसनीय और वंदनीय है।

नदी जोड़ो अभियान: प्रदेश के विकास की नई दिशा- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना शुरू की जा रही है, जो लगभग 25 जिलों के बड़े क्षेत्रों में सिंचाई का रकबा बढ़ाएगी। इससे मालवा और बुंदेलखंड को विकास की नई राह मिलेगी। नदी जोड़ो अभियान से प्रदेश का एक बड़ा क्षेत्र लाभान्वित होगा।

गोवंश संरक्षण के लिए विशेष प्रयास- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण और पालन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 313 ब्लॉकों के गांवों 500 से ज्यादा गोवंश हैं। उन्हें 'वृंदावन गांव' के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही, 10 या उससे ज्यादा गौमाता पालने वाले पशुपालकों को अनुदान दिया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा, आने वाले समय में दूध खरीदी पर बोनस दिया जाएगा, जिससे घर-घर में दूध उत्पादन बढ़े और प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने।

संत कमल किशोर नागर का सम्मान- मुख्यमंत्री ने संत कमल किशोर नागर द्वारा गोवंश संरक्षण और गौशाला संचालन के लिए की जा रही कोशिशों की सराहना की। उन्होंने व्यास पीठ का पूजन कर संत श्री का शाल भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का भी साफा बांधकर सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत गौशाला चित्तौड़ा की भूमि को गौशाला के नाम करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गीता जयंती के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के कर्म संदेश को पूरे प्रदेश में पहुंचाने का कार्य किया गया है। संत श्री कमल किशोर नागर द्वारा गौशाला संचालन और समाज में आदर्श स्थापित करने के प्रयास समाज को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गोवंश पालन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। घर-घर गोपाल और गांव-गांव वृंदावन बने, इसके लिए प्रदेश के 313 ब्लॉक के एक-एक गांव में जहां 500 से अधिक गोवंश होगा, उनको वृंदावन गांव बनाकर आदर्श रूप में विकसित करेंगे। वहीं 10 से अधिक गौमाता पालने वाले पशुपालकों को अनुदान देकर प्रोत्साहित करेंगे ताकि घर-घर गोपाल बने। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दूध खरीदी पर बोनस भी दिया जाएगा। हमारा लक्ष्य कि जिससे घर-घर दूध उत्पादन बढ़े और प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गोपालन के प्रति लोगों में रुचि बढ़े, इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने संत कमल किशोर जी नागर द्वारा गोवंश संरक्षण एवं गौशाला के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यास पीठ का पूजन कर संत श्री नागर का शाल भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री चिंदू वर्मा सहित श्रीमद्भागवत गौ-शाला चित्तौडा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल ने अधिकारी-कर्मचारियों को दिलायी सुशासन की शपथ

राजभवन में मनाया गया सुशासन दिवस

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सुशासन दिवस के अवसर पर राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी को सुशासन शपथ का निष्ठा के साथ पालन करने के निर्देश भी दिए। राजभवन में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 दिसम्बर की जयंती के परिप्रेक्ष्य में सुशासन दिवस मनाया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को प्रदेश में सुशासन के उचित मानदंडों को स्थापित करने के लिए सदैव संकल्पित रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जनकल्याण केंद्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने और प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के लक्ष्य को पाने के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प दिलाया। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती जमुना भिड़े, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविन्द पुरोहित और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उपभोक्ता ही अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है, यदि उपभोक्ता सजग हो, तो बाजार में गुणवत्तापूर्ण सेवा, सुविधा व उत्पाद प्राप्त होंगे, साथ ही आर्थिक प्रगति को भी गति भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस, उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रभावी माध्यम हैं।

म.प्र. की ड्रोन पॉलिसी अगले महीने होगी जारी

सूचना पोर्टल हुआ लॉन्च, टाइगर ट्रैकिंग और लैंड रिकॉर्ड होगा सटीक

भोपाल (नप्र)। पिछले महीने रायसेन जिले में एक टाइगर शहरी इलाके में घुस आया, पुलिस, प्रशासन और वन विभाग परेशान हो गए। जब टाइगर को पकड़ना मुश्किल हुआ तो ड्रोन का सहारा लिया गया। ड्रोन के थर्मल और आरजीबी कैमरों की मदद से उसे ढूंढ लिया गया। इसी तरह, राजगढ़ जिले में फसल नुकसान का पता लगाने के लिए ड्रोन से सर्वे किया गया। ड्रोन ने सटीक डेटा और फोटो दिए, जिससे प्रभावित किसानों को मुआवजा मिल सका। इस तकनीक से उन किसानों का नाम भी सामने आया, जिन्हें पहले के सर्वे में शामिल नहीं किया गया था।

ड्रोन तकनीक का बढ़ता उपयोग: ड्रोन अब सरकारी कामकाज का अहम हिस्सा बन रहे हैं। ये तेजी और सटीकता से जानकारी जुटाने में मदद करते हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने ड्रोन तकनीक को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने के लिए एक पॉलिसी बनाने की तैयारी शुरू की है।

ड्रोन पॉलिसी पर चर्चा और वर्कशॉप: भोपाल में ड्रोन बनाने वाली कंपनियों, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ ड्रोन पॉलिसी पर चर्चा हुई। सरकार जल्द ही इस पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी करेगी। इसके अलावा, भोपाल में एक वर्कशॉप आयोजित

की गई, जहां ड्रोन बनाने वाली कंपनियों और सरकारी प्रोजेक्ट्स में काम करने वाली एजेंसियों ने अपनी सेवाएं दिखाईं।

ड्रोन से हो रहे काम

जमीन का सर्वे और मैप बनाना
खेती में फसल का सर्वे
निर्माण कार्य की निगरानी
मौसम का पूर्वानुमान और भूगर्भीय अध्ययन

बुनियादी ढांचे की जांच

ड्रोन तकनीक ने सरकारी काम को आसान, तेज और सटीक बना दिया है। यह न सिर्फ समय बचा रही है, बल्कि लोगों तक सही मदद पहुंचाने में भी कारगर साबित हो रही है।

भोपाल में आया ड्रोन टैक्सी का छोटा मॉडल: कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में ड्रोन टैक्सी का मॉडल भी आया। इनसाइट एविएशन कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया हमारी ड्रोन टैक्सी अभी ट्रायल फेज में हैं। इसका छोटा मॉडल तैयार किया गया है। सरकारी मंजूरियां मिलने के बाद ड्रोन टैक्सी मार्केट में उतारी जाएगी। भीड़ भाड़ वाले इलाकों में ये मददगार साबित होगी।

भाजपा देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है : जीतू पटवारी

जनहित के मुद्दों को सकारात्मकता के साथ मीडिया के समक्ष रखें : मुकेश नायक

भोपाल (नप्र)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की अध्यक्षता और प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और प्रवक्तागणों की बैठक आहूत की गई। बैठक में विपक्ष की भूमिका निभाते हुये सकारात्मकता के साथ जनहित के मुद्दों को पूरी सूझबूझ और ताकत के साथ उठाने के लिए निर्देशित किया गया। प्रदेष कांग्रेस अध्यक्ष श्री पटवारी ने कहा कि राजनीतिक परिवेश के बीच टीवी चैनलों और मीडिया में अपनी बात को पूरी जबावदेही के साथ रखे, भाजपा द्वारा देश में जो नफरत फैलाने का काम किया जा रहा है, उससे देश अराजकता की ओर बढ़ रहा है। पार्टी नेतृत्व के दिशा निर्देश अनुसार जनहित के मुद्दों पर हमें अपनी बात रखना है। पूरे तर्क के साथ भाजपा की गलत नीतियों को जनता के बीच उजागर करें और कांग्रेस पार्टी का पक्ष, रीति-नीति और विचारों को जनता के बीच पहुंचाने का काम करें। यूट्यूब, वाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से अपनी बातों को ज्यादा से ज्यादा ग्रुप में भेजें, ताकि जनता को समझाया जा सके कि भाजपा केवल बांटने की राजनीति करती है, उसे जनहित के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जी के प्रति नफरत की जो भावना भाजपा में व्याप्त है, उसका हमें मुंहतोड़ जबाव देना है। अंबेडकर जी जिन्होंने देश में आजादी के बाद हर वर्ग को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार दिया, भाजपा अंबेडकर जी के संविधान पर प्रहार कर रही है, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और पिछड़ों के साथ अन्याय और अत्याचार कर रही हैं भाजपा। उन्होंने कहा कि हमारी मीडिया टीम पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है, हमारे सामने बहुत चुनौतियां हैं लेकिन हमें डरकर नहीं डटकर उनका मुकाबला करना है। मीडिया और सोशल मीडिया दोंनो एक दूसरे के समकक्ष हैं।

मऊगंज में बोलेरो से कुचलकर युवक की हत्या

एक आरोपी ने पीछे से युवक को पकड़ रखा था, वह भी गाड़ी के नीचे आया, उसकी भी मौत

मऊगंज (नप्र)। मऊगंज जिले के बरही गांव में बोलेरो गाड़ी से आए सात लोगों ने एक युवक को कुचल कर मार दिया। कुचलते समय एक आरोपी भी बोलेरो की चपेट में आ गया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। हनुमना पुलिस ने मंगलवार को छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी अनिल काकड़े के मुताबिक, घटना में हनुमना निवासी विंध्य वासिनी गुप्ता और बड़ा गांव निवासी आकाश दुबे की मौत हुई है। आकाश बोलेरो गाड़ी में आए सात आरोपियों में से एक था। टीआई के

मुताबिक, गांव में ऑर्केस्ट्रा चल रहा था। सड़क किनारे खड़े होकर विंध्य वासिनी नाम का युवक भी उसे सुन रहा था। इस बीच बोलेरो गाड़ी से आरोपी आए। उनकी नजर विंध्य पर पड़ी तो उन्होंने उसे गाड़ी से कुचलने की प्लानिंग की।

आकाश भी छूट नहीं पाया: इसके बाद आकाश दुबे ने जाकर विंध्य वासिनी गुप्ता को पकड़ लिया। बाकी छह लोग बोलेरो के अंदर थे। अमित द्विवेदी उसे चला रहा था। अमित ने जैसे ही विंध्य पर गाड़ी चढ़ाई तो आकाश हट नहीं पाया। दोनों बोलेरो के नीचे आ गए। अस्पताल में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

ये था विवाद का कारण: टीआई काकड़े के मुताबिक, आरोपी विक्रम शुक्ला और कुलदीप शुक्ला विंध्य की बहन रोशनी गुप्ता को परेशान करते थे। विंध्य ने आरोपियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे उससे रंजिश रखने लगे।

पिता बोले- शराब के लिए भी पैसे मांगते थे: वहीं विंध्य के पिता राम जियावन गुप्ता ने बताया- आरोपियों ने कुछ दिन पहले विंध्य से शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे। उसने पैसे देने और शराब पीने से इनकार किया तो उस समय आरोपी वहां से चले गए, लेकिन चार-पांच दिन बाद फिर से पैसे की मांग करने लगे। नहीं दिए तो विंध्य को थप्पड़ मारे थे।

छह आरोपी गिरफ्तार:

घटना के बाद पुलिस ने बोलेरो वाहन सहित छह आरोपियों अमितधर द्विवेदी (20), मुकेश बढ़ई उर्फ मुन्ना (20), कुलदीप शुक्ला उर्फ छोटू (20), शिवकुमार बढ़ई (30), विक्रम शुक्ला (18) और राहुल मौर्या (20) को गिरफ्तार कर लिया है।

उज्जैन भी होगा भिखारियों से मुक्त

महाकाल थाना पुलिस ने रामघाट से 25 भिखारियों को पकड़ रेन बसेरा भेजा

उज्जैन (नप्र)। इंदौर के बाद अब उज्जैन शहर को भी भिखारियों से मुक्त करने का अभियान तेज हो गया है। मंगलवार को महाकाल थाना पुलिस ने रामघाट क्षेत्र से 25 भिखारियों को पकड़ा है। आगे शहर के अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा-मिशन स्माइल के तहत भिखारियों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। एनजीओ की मदद से उनके रहने, खाने-पीने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य न केवल शहर को भिखारी मुक्त बनाना है, बल्कि उनके जीवन को बेहतर दिशा देना भी है।

स्माइल प्रोजेक्ट के तहत कार्रवाई

केंद्र सरकार के 'स्माइल प्रोजेक्ट' के तहत उज्जैन को करीब एक साल पहले भिखारी मुक्त शहर बनाने के लिए चुना गया था। हालांकि, भिखारियों के लिए उपयुक्त पुनर्वास केंद्र न होने के कारण यह योजना अब तक प्रभावी नहीं हो पाई थी।

इंदौर की सफलता से प्रेरणा लेकर अब उज्जैन में भी यह प्रक्रिया शुरू की गई है। महाकाल थाना टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया-फिलहाल भिखारियों को रेन बसेरा में रखा जाएगा। सेवा धाम आश्रम के साथ चर्चा चल रही है, जहां उन्हें स्थायी रूप से रखने का निर्णय लिया जा सकता है।

भिखारियों ने जताई नाराजगी

राम घाट पर कार्रवाई के दौरान कुछ भिखारियों ने जबरदस्ती ले जाए जाने पर विरोध भी जताया, लेकिन पुलिस ने सभी को गाड़ी में बैठाकर रेन बसेरा भेज दिया। अभियान के तहत शहर के अन्य हिस्सों में भी जल्द कार्रवाई शुरू होगी।

एमपी में कांग्रेस का अंबेडकर सम्मान मार्च

● 53 जिलों में 'मैं हूं अंबेडकर' पदयात्रा निकालेगी युवा कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला। भोपाल में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, विधायक आरिफ मसूद, आतिफ अकील समेत कई नेता इसमें शामिल हुए। अन्य जिलों में लोकल नेताओं ने इसका नेतृत्व किया। पटवारी ने कहा- बीजेपी संविधान विरोधी, दलित विरोधी और अंबेडकर विरोधी है। अमित शाह ने जो कहा, वो उनकी सोच को प्रदर्शित करता है। आरएसएस ने 50 साल तक देश का झंडा अपने मुख्यालय पर नहीं लगाया। भाजपा के लोग बार-बार बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को समाप्त करने की बात मुखरता से कह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी इसकी निंदा करती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा लिया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से माफी मांगें।

दूसरी तरफ, शाह की टिप्पणी के विरोध में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। कलेक्टर कार्यालय पर धरना देने के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

53 जिलों में निकलेगी 'मैं हूं अंबेडकर' पदयात्रा: शाह की टिप्पणी के विरोध में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस 25 दिसंबर से पांच दिन तक 'मैं हूं अंबेडकर' पदयात्रा निकालने जा रही है। एमपी के 53 जिलों में ये पदयात्राएं निकाली जाएंगी। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने पदयात्राओं का जिलेवार प्रोग्राम जारी किया है।

25 दिसंबर- दतिया, मुरैना, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, श्योपुर, देवास, रतलाम, शाजापुर और आगर।

26 दिसंबर- भिंड, मंदसौर, नीमच, उज्जैन, इंदौर, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, खरगोन, बड़वानी।

27 दिसंबर- ग्वालियर, खंडवा, बुरहानपुर, भोपाल, सीहोर, रायसेन, राजगढ़, विदिशा, बैतूल, होशंगाबाद।

28 दिसंबर- हरदा, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर।

29 दिसंबर- छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, रीवा, मऊगंज, सिंगरौली, सीधी, सतना, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर।

गुना में विधायक जयवर्धन सिंह शामिल: गुना में कांग्रेस का मार्च अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शुरू हुआ। राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में रैली हनुमान चौराहा, नेहरू पार्क होते हुए पुरानी कलेक्ट्रेट स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रशासन को सौंपा गया।

मुरैना में कलेक्ट्रेट तक अंबेडकर सम्मान मार्च: मुरैना में कांग्रेस नेताओं ने पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला। ग्रामीण अध्यक्ष मधुराज तोमर के नेतृत्व में शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रैली कलेक्ट्रेट पहुंची।

दो अलग-अलग मामलों में अवैध सागौन के साथ आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण वन मंडल ने की सख्त कार्रवाई

बैतूल। दक्षिण वनमंडल के सावलमेंढा वन परिक्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान वन विभाग ने अवैध सागौन के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है। वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल विजयानन्तम टी.आर. और उपवनमंडलाधिकारी भैंसदेही (सा.) देवानन्द पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी मानसिंग परते के निर्देशन में साकली वृत्त के गश्ती दल ने ग्राम पिपलदरी से गोखलापूर मार्ग पर 16 नग अवैध सागौन की लकड़ी बरामद की। यह लकड़ी 0.304 घन मीटर माप की थी, जिसका बाजार मूल्य लगभग 17,108 रुपए आंका गया है। इस मामले में आरोपी अब्दुल रहमान मोहम्मद शमी, निवासी ब्राम्हानवाड़ा को हिरासत में लिया गया है।

सिकंदराबाद मंडल में होना है रेलवे मेंटेनेंस वर्क

भोपाल रेल मंडल की 12 ट्रेनें निरस्त; देखें ट्रेनों की लिस्ट

भोपाल (नप्र)। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद मंडल में रेलवे मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा है। इसके चलते रेलवे ने 12 ट्रेनों को निरस्त किया है। इनमें भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। मुख्य रूप से इनमें कोच्चुवेली-इंदौर एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल, तिरुपति-हिसार स्पेशल और कानपुर-मदुरै स्पेशल एक्सप्रेस शामिल हैं। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि निरस्त ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को नियमानुसार रिफंड दिया जाएगा।

ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

22646 कोच्चुवेली-इंदौर एक्सप्रेसः 28 दिसंबर से 4 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

22645 इंदौर-कोच्चुवेली एक्सप्रेसः 30 दिसंबर से 6 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

12511 गोरखपुर-कोच्चुवेली एक्सप्रेसः 26 दिसंबर से 5 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

12512 कोच्चुवेली-गोरखपुर एक्सप्रेसः 31 दिसंबर से 8 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

12521 बरौनी-एर्नाकुलम एक्सप्रेसः 23 दिसंबर से 6 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

12522 एर्नाकुलम-बरौनी एक्सप्रेसः 27 दिसंबर से 10 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

01927 कानपुर-मदुरै स्पेशलः 25 दिसंबर से 8 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

01928 मदुरै-कानपुर स्पेशलः 27 दिसंबर से 10 जनवरी 2025 तक निरस्त रहेगी।

04717 हिसार-तिरुपति स्पेशलः 28 दिसंबर और 4 जनवरी 2025 को निरस्त रहेगी।

04718 तिरुपति-हिसार स्पेशलः 30 दिसंबर और 6 जनवरी 2025 को निरस्त रहेगी।

06509 केएसआर बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनः 30 दिसंबर और 6 जनवरी 2025 को निरस्त रहेगी।

06510 दानापुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनः 1 और 8 जनवरी 2025 को निरस्त रहेगी।

मेरा शहर मेरी धरोहर है ब्रांड एम्बेसडर स्वच्छता अभियान : राजेश शर्मा

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान- 2024 में बेहतर प्रदर्शन के लिए धार नगर पालिका कृत संकल्पित

सुबह सवेरे धार। मेरा शहर , मेरी धरोहर है इस पवित्र भाव और पावन संकल्प से हम अपनी धरा, अपने राष्ट्र भारत देश, मध्यप्रदेश और अपने शहर को संवार सकते है। स्वच्छ और सुंदर शहर की परिकल्पना के लिए वर्ष भर मेहनत करने वाले हमारे फ्रंट लाईन सफाई मित्र, दरोगा, झोन प्रभारी, स्वच्छता वाहन चालक और संपूर्ण अमले की मेहनत को प्रणाम है। सच आप सबसे ही हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर बन रहा है। उक्त उद्गार नगर पालिका परिषद धार में आयोजित कार्यशाला में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान-2024 के ब्रांड एम्बेसडर, राजेश शर्मा ने व्यक्त किए। उन्होंने पुरी नगर पालिका परिषद धार की टीम को इस अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बतौर ब्रांड एम्बेसडर बहुत से सुझाव भी दिए।24 दिसंबर को स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2024 अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष नेहा महेश बोडाने, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर की अध्यक्षता में सफाई दरोगाओं की बैठक ली गई ,जिसमें स्वच्छता सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुसार जो जो कार्य किए जाने हैं उसकी समीक्षा की गई । साथ ही 2024 स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु जो मुख्य तैयारी की जानी है उसके बारे में चर्चा की गई । बैठक में मुख्य रूप से सड़कों एवं नालियों की साफ सफाई के साथ-साथ कचरे के ढेर की साफ सफाई के बारे में चर्चा की गई जिसमें समय-समय पर सफाई की जानी चाहिए एवं कचरा वाहनों को भी नियमित रूप से निकलने की समझाइश भी दी गई। बैठक में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष नेहा महेश बोडाने जी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर के साथ-साथ स्वच्छता सभापति रवि मेहता जी,ब्रांड एम्बेसडर राजेश शर्मा, नोडल ऑफिसर राकेश बेनल,प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राधेश्याम चौहान, समस्त झोन प्रभारी , पीयूष जोशी ,पंकज राठौर सहित समस्त दरोगा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में 27 को बैतूल में स्वामित्व योजना के तहत हितलाभ वितरण कार्यक्रम प्रस्तावित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में वर्चुअली होंगे शामिल

● कलेक्टर ने कार्यक्रम की तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 27 दिसंबर को बैतूल जिले में स्वामित्व योजना अंतर्गत आवासीय पट्टे के वितरण का वृहद कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम में वर्चुअल जुडेगें एवं हितग्राहियों से संवाद करेंगे। कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी द्वारा लगभग स्वामित्व योजना में 30 हजार से अधिक आवासीय पट्टों का वितरण किया जाएगा। साथ ही नवनियुक्त नायब तहसीलदारों को नियुक्ति पत्र का भी वितरण भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ केंद्र एवं राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बताया कि बैतूल में स्वामित्व योजना के तहत आवासीय पट्टो के वितरण का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इसका प्रदेश का सभी जिल ,विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सजीव प्रसारण होगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सीएमओ को अपने क्षेत्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में जानकारी देने और आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आवश्यक समन्वय एवं निर्देशन के लिए तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम का गठन कर उन्हें सक्रिय किया जाए। कार्यक्रम की तैयारी में सभी अधिकारी पूरी तत्परता से जुटें। समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाएं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एसडीएम राजीव कहार सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। सभी एसडीएम एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के जरिए बैठक में शामिल हुए।

बैतूल विधानसभा में 8 लाख 70 हजार की लागत से होंगे विभिन्न निर्माण कार्य

बैतूल। बैतूल विधानसभा के ग्रामों में 8 लाख 70 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति से विभिन्न निर्माण कार्य किए जाएंगे। जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत जैतापुर के ग्राम बुण्डाला में 70 हजार की राशि से रामदयाल पाटिल के घर के पास से शांतिधाम की ओर सडक़ मरम्मत कार्य किया जाएगा। ग्राम पंचायत आरूल में नहर के किनारे दुर्गेश पवार के खेत से दिलीप गंगारे के खेत की ओर सडक़ मरम्मत का कार्य 1 लाख की राशि से किया जाएगा। इसी प्रकार ग्राम पंचायत कुम्भारटेक के ग्राम राठीपुर में बोडी जोड़ की ओर 50 हजार रूपए की लागत से सडक़ मरम्मत का कार्य किया जाएगा। ग्राम पंचायत कुम्भारटेक के ग्राम राठीपुर में मानक के घर के पास 2 लाख 50 हजार की लागत से चौपाल निमार्ण कार्य किया जाएगा। ग्राम पंचायत कुम्हली में पंचायत भवन के बाजू में 2 लाख की राशि से चौपाल में अतिरिक्त कार्य किया जाएगा।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर 'इमरजेंसी मेडिकल रूम' का उद्घाटन

भोपाल। आज भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी द्वारा 'इमरजेंसी मेडिकल रूम' का उद्घाटन किया गया। यह सुविधा भोपाल रेल मंडल और अथर्व ज्योति हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वधान से शुरू की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस इमरजेंसी मेडिकल रूम का उद्देश्य यात्रियों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित और प्रभावी सहायता दी जा सके। इस इमरजेंसी मेडिकल रूम में यात्रियों को 24×7 विभिन्न चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें प्राथमिक चिकित्सा सामग्री, ऑक्सीजन सिलेंडर, और एम्बुलेंस सेवा शामिल हैं, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान करेंगी। इसके अलावा, नेब्यूलाइजेशन, पल्स ऑक्सीमीटर, और ईसीजी मशीन जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं भी यहां उपलब्ध हैं। यात्रियों की नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए बीपी और शुगर चेकअप की सुविधा दी गई है। जरूरतमंद यात्रियों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर का प्रबंध किया गया है। साथ ही, इस मेडिकल रूम में प्रशिक्षित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ हमेशा सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिससे रेलवे स्टेशन पर ही त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके। इस इमरजेंसी मेडिकल रूम की एक विशेषता यह है कि इसमें मौजूद प्रशिक्षित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टा ट्रेन में यात्रा कर रहे किसी भी यात्री को आपातकालीन चिकित्सा सहायता देने के लिए भी तैयार रहेगा। यदि किसी ट्रेन में किसी यात्री की तबीयत खराब होने की सूचना प्राप्त होती है, तो यह टीम ट्रेन के भोपाल स्टेशन पर पहुंचते ही उस यात्री को सहायता प्रदान करेगी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (रेलवे अस्पताल) डॉ. अजय डोगरा ने कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य रेलवे की प्राथमिकता है। इस इमरजेंसी रूम के माध्यम से यात्रीगण अब रेलवे स्टेशन पर ही त्वरित चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा, मंडल इंजीनियर (मुख्यालय) श्री श्याम नागर, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री पंकज कुमार दुबे,अथर्व ज्योति हॉस्पिटल की मेडिकल टीम सहित अन्य रेलवे अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उपस्थित यात्रियों ने इस पहल की सराहना की और इसे रेलवे की यात्रियों के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक बताया। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा सुनिश्चित की गई है। भोपाल स्टेशन पर इस प्रकार की सुविधा यात्रियों के भरोसे को और भी मजबूत करेगी और यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाएगी।

शहरी गरीबों को आजीविका का साधन दिलाने के लिये 9318 स्वसहायता समूहों का गठन

3581 स्वसहायता समूहों का बैंक लिंकेज कर 81 करोड़ रूपये का वितरण

भोपाल(नप्र)। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों के गरीबों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिये नगरीय निकाय बैंकों के साथ मिलकर स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में 9318 स्व-सहायता समूहों का गठन कर 9000 से अधिक शहरी गरीब परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इसके साथ ही स्व-सहायता समूह को आर्थिक रूप से मजबूती देने के लिये 642 एरिया लेवल फेडरेशन का गठन और 34 सिटी लेवल फेडरेशन का गठन किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 6720 स्व-सहायता समूहों को आवर्ती निधि राशि के रूप में करीब 6 करोड़ 75 लाख रूपये की राशि प्रदाय की है। स्वरोजगार कार्यक्रम अंतर्गत पूर्व से स्वीकृत व्यक्तिगण ऋण में 5723 हितग्राहियों को लगभग 77 करोड़ रूपये और समूहगत ऋण के रूप में 396 स्व-सहायता समूहों को 11 करोड़ रूपये मंजूर किये हैं। प्रदेश में शहरी क्षेत्र के 3581 स्व-सहायता समूहों का बैंक लिंकेज कर 21 करोड़ 50 लाख रूपये का ऋण बैंकों के माध्यम से वितरित किया गया है।

स्व-सहायता समूह योजनाओं में भी कर रहे मददः शहरी स्व-सहायता समूहों को नगरीय विकास विभाग और अन्य केन्द्रीय योजनाएं जिनमें अमृत 2.0 में अमृत मित्र के रूप में जोड़ा गया है। स्व-सहायता समूह के सदस्य जल गुणवत्ता परीक्षण कार्य, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सेनीटेशन जैसी गतिविधियों में भी मदद कर रहे हैं। अमृत 2.0 योजना में अमृत मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत 10 नगरीय निकाय जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, छतरपुर, ग्वायिर, रीवा, छिंदवाड़ा, धार और देवास में 20 स्व-सहायता समूहों को 56 लाख रूपये के कार्यादेश दिये गये हैं। दूसरे चरण में प्रदेश के 45 निकायों का चयन किया जा चुका है। इन महिला स्व-सहायता समूहों को जल गुणवत्ता परीक्षण और सार्वजनिक पार्क संचालन और संधारण की जिम्मेदारी का कार्य सौंपा गया है। स्वच्छ भारत मिशन में 166 स्वसहायता समूह सेनिटेशन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कार्य से जुड़े हुए हैं।

उद्यानिकी विभाग की योजना से भी जुड़े स्व-सहायता समूह

प्रदेश में शहरी स्व-सहायता समूहों को केन्द्र सरकार की उद्यानिकी विभाग की योजना प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना (पीएमएफएएमई) से भी जोड़ा गया है। योजना में सीड केपिटल घटक में 126 स्व-सहायता समूह के 708 सदस्यों को एरिया लेवल फेडरेशन के माध्यम से 3 करोड़ रूपये खाद्य प्र-संस्करण संबंधी गतिविधियों के लिये दिये जा चुके हैं। नगरीय निकायों ने इसी योजना में दूसरे चरण में 103 स्व-सहायता समूहों के 600 सदस्यों को फेडरेशन के माध्यम से उद्यानिकी गतिविधियों के लिये करीब 2 करोड़ रूपये राशि के प्रस्ताव स्वीकृती के लिये भेजे हैं। शहरी क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों को खाद्य प्र-संस्करण से संबंधित गतिविधियों का लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही इन समूहों में शहरी क्षेत्र की महिलाओं को अधिक से अधिक जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

भारत रत्न अटलजी का जन्मदिन 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनेगा

प्रत्येक बूथ पर स्मृति सभाओं, संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों का होगा आयोजन

● प्रत्येक मंडल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर आधारित सुशासन यात्रा का होगा आयोजन : रणवीर सिंह रावत

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व अटल जी जन्म शताब्दी वर्ष के प्रदेश संयोजक श्री रणवीर सिंह रावत ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिन 25 दिसंबर को प्रदेश भर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जायेगा। जिसको लेकर प्रत्येक बूथ स्तर पर स्मृति सभाओं, संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धेय अटल जी का पुण्य स्मरण करेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रणवीर सिंह रावत ने कहा कि अटल जी के समय जिन कार्यकर्ताओं ने उनके साथ काम किया, उनका सम्मान किया जायेगा। साथ ही श्रद्धेय अटल जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से देश को जागृत करने का काम किया उनकी दो कविताओं का वाचन भी प्रत्येक बूथ पर होगा।

उन्होंने कहा कि अटलजी ने ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना आरंभ की थी, यह उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण योजना है। जिसको लेकर प्रत्येक मंडल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर आधारित सुशासन यात्रा का आयोजन किया जायेगा। गांवों में प्रत्येक चौपालों के माध्यम से अटल जी के योगदान और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 वर्ष के कार्यकाल को रखा जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रणवीर सिंह रावत ने कहा कि पार्टी के जिला मुख्यालयों पर पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन पार्टी के वरिष्ठ नेता करेंगे। उन्होंने कहा कि अटल जी की जयंती को लेकर प्रदेश में पूरे वर्ष अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन ने मनाया राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

धार। 24 दिसंबर राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय उपभोक्ता संगठन ने उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि समंदर सिंह पटेल थे । बतौर अतिथि अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय चौधरी ,राष्ट्रीय सचिव सुनील दौराया, वरिष्ठ पत्रकार एवं अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश शर्मा ,जिला संयोजक शैलेन्द्र तिवारी मंचासीन थे। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के जिला अध्यक्ष धर्मेंद जोशी ने कहा कि उपभोक्ता के साथ ठगी तब ही बंद हो सकती है जब उपभोक्ता विक्रेता और प्रशासनिक मशीनरी जब तक ईमानदार हो कर कार्य नहीं करेगी तब तक उपभोक्ता के साथ न्याय नहीं हो सकता। बिजली विभाग, स्वास्थ विभाग में उपभोक्ता को होने वाली समस्या के बारे में

भी चर्चा हुई। मुख्य अतिथि समंदर सिंह पटेल ने कहा ग्रामीण उपभोक्ता ज्यादा ठगी का शिकार हो रहा है उपभोक्ता संगठन को जहां मेरी आवश्यकता होगी में सदैव तत्पर रहुंगा। इस अवसर पर उपभोक्ता संगठन के जिला उपाध्यक्ष अवध द्विवेदी ,सचिव नीलेश जोशी उपस्थित थे । आभार सलिल यादव ने माना।

भिंड-सीहोर में बारिश, कई जिलों में बादल

प्रदेश में 3 दिन तक ओले-पानी, कोहरे का अलर्ट; रात में ठंडी हवा चलेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन तक ओले, बारिश और कोहरा रहेगा। वहीं, रात में ठंडी हवाओं से ठिठुरन रहेगी। कई जिलों में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी बादल छाए हुए थे।भिंड और सीहोर के कई क्षेत्रों में रात भर से हो रही रिमझिम बारिश आज सुबह भी जारी थी। इससे पहले सोमवार को भी मौसम बदला था और मंगलवार को भी ऐसा ही थी। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। इससे दिन के टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 27 दिसंबर को सिस्टम सबसे ज्यादा स्ट्रॉन्ग रहने का अनुमान जताया है। इस दिन भोपाल, ग्वालियर समेत 21 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट है। वहीं, अन्य जिलों में हल्की बारिश, गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के असर से मौसम का मिजाज बदला रहेगा। राजस्थान के ऊपर भी एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) की एक्टिविटी रहेगी। जिससे बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। इंदौर में सुबह से बादल छाए हुए थे,दिन के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। वहीं, रात का तापमान 1 डिग्री बढ़ा है।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

25 दिसंबर- ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, अशोकनगर और गुना में कोहरा रहेगा।

26 दिसंबर- इंदौर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर और गुना में हल्की बारिश का दौर रहेगा। इनमें से ज्यादातर जिलों में गरज-चमक की स्थिति भी बनी रहेगी।

27 दिसंबर- भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, शाजापुर, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में आंधी, बारिश और गरज-चमक का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, इंदौर, उज्जैन, धार, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, आगर-मालवा, नीमच, राजगढ़, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, जबलपुर, कटनी और उमरिया में गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

इस बार सीजन का पहला मावठा पड़ेगा: मौसम विभाग के अनुसार, दिसंबर के महीने में प्रदेश में बारिश का ट्रेंड रहता है। पिछले 10 साल से ऐसा ही मौसम है। इस बार भी मौसम बदल गया है। शनिवार को छिंदवाड़ा में बारिश भी हुई थी। वहीं, सोमवार को बादल छा गए हैं।

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न
अटल बिहारी वाजपेयी जी
की 100वीं जन्म जयंती के
अवसर पर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹ 44,600 करोड़ लागत की देश की पहली

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का

शिलान्यास

तथा

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण

1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन

माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में
स्टाम्प और सिक्का जारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों
द्वारा

परियोजनाओं के लाभ

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना

- मध्यप्रदेश के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर के 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र एवं उत्तरप्रदेश के 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा। परियोजना से कुल 65 लाख परिवारों को मिलेगी पेयजल की सुविधा।
- जल विद्युत परियोजनाओं से हरित ऊर्जा में 130 मेगावॉट का योगदान एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास और रोज़गार को मिलेगा बढ़ावा।
- चंदेल कालीन लगभग 42 पुरातन तालाबों का होगा विकास एवं पुनर्निर्माण।
- दौधन बांध के निर्माण से बाढ़ का बेहतर प्रबंधन होगा संभव।

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना

- 518 मेगावॉट क्षमता की यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग परियोजनाओं में से एक है।
- परियोजना से कृषि एवं उद्योग हेतु उपयोगी भूमि की बचत होगी।
- जल संरक्षण एवं हरित ऊर्जा उत्पादन से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को रोकने में सहयोग मिलेगा।

अटल ग्राम सुशासन भवन

- अटल ग्राम सुशासन भवनों का निर्माण ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा प्रदान करेगा।
- ग्राम पंचायतों को प्रशासनिक कार्य करने, बैठकों के आयोजन एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सी.आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

25 दिसम्बर, 2024 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | खजुराहो, जिला छतरपुर

D-11136/24

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP